साांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746
वर्ष–01 अंक–112 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 12 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

" अकाल अगर अनाज का हो तो मानव मरता है किन्तु अकाल अगर संस्कारों का हो तो मानवता मरती है ...!! "

अज्ञात...

पीएम मोदी की सोना न खरीदने की अपील को सराफा एसोसिएशन का समर्थन

प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी बोले– अर्थव्यवस्था होगी मजबूत, 'स्वर्ण शिल्प कला बोर्ड' गठन करने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बिलासपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक साल तक सोना न खरीदने की अपील को छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन ने समर्थन दिया है। प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने कहा कि यह कदम दीघर्काल में देश की अर्थव्यवस्था और सराफा व्यापार दोनों को मजबूती देगा।

बुलियन नहीं, सेवा मॉडल अपनाएं

कमल सोनी ने कहा कि वैश्विक युद्ध और आर्थिक अस्थिरता से पिछले दो साल में सोने के दाम अप्रत्याशित बढ़े हैं। इससे सराफा कारोबार बुलियन लेन-देन तक सिमट गया और छोटे-मध्यम व्यापारियों पर दबाव बढ़ा। मूल्य अस्थिरता से नुकसान और मंदी झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि अब समय है कि सराफा बाजार को सिर्फ सोना खरीदने-बेचने तक सीमित न रखकर सेवा क्षेत्र आधारित मॉडल में बदला जाए।

विदेशी मुद्रा बचेगी, डेड कैपिटल घटेगा

सोनी ने कहा कि सोने का आयात घटने से विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहेगा और रुपया मजबूत होगा। इसका फायदा छोटे उद्योगों को मिलेगा। घरों में निष्क्रिय पड़े सोने को डेड कैपिटल बताते हुए उन्होंने कहा कि पीएम की सोच अर्थव्यवस्था में धन का प्रवाह बढ़ाने की है। लोग बैंक, उद्योग और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाएंगे तो रोजगार और आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी।

बड़े ब्रांड्स से सावधान रहने की सलाह

कमल सोनी ने उपभोक्ताओं को बड़े कॉर्पोरेट ज्वेलरी ब्रांड्स की आक्रामक मार्केटिंग से सावधान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मॉडल से पूंजी देश से बाहर जाती है और स्थानीय सराफा व्यापार व पारंपरिक कारीगरों को लाभ नहीं मिलता।

'स्वर्ण शिल्प कला बोर्ड' की मांग

उन्होंने छत्तीसगढ़ समेत अन्य राज्यों में लंबित स्वर्ण शिल्प कला बोर्ड के तत्काल गठन की मांग दोहराई। कहा कि बोर्ड से पारंपरिक स्वर्ण कारीगरों की कला और विरासत बचेगी। साथ ही कारीगरों को सरकारी योजनाओं, रियायती ऋण, बीमा और तकनीकी प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया को मजबूत करने के लिए पारंपरिक स्वर्ण शिल्प उद्योग को संस्थागत समर्थन जरूरी है।

विशेष टिप्पणी

प्रधानमंत्री की सात अपील और अर्थव्यवस्था का सच

आलोक तिवारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद से देशवासियों के नाम सात अपील जारी की हैं। 12 साल के कार्यकाल में यह पहला मौका है जब प्रधानमंत्री ने सीधे नागरिकों से आर्थिक अनुशासन की अपेक्षा की है। सोना न खरीदने, पेट्रोल की खपत घटाने, विदेश यात्रा टालने, उर्वरक का कम इस्तेमाल करने और घर से काम करने जैसी अपीलें बताती हैं कि हालात सामान्य नहीं हैं।

सरकार अब तक भारत को दुनिया की तीसरी या चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से बढ़ता हुआ बताती रही है। ऐसे में अचानक नागरिकों से त्याग की अपेक्षा करना सवाल खड़े करता है। प्रधानमंत्री की अपील दो बातें स्पष्ट करती है। पहली, वैश्विक हालात का असर हमारी अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ईरान-अमेरिका तनाव, कच्चे तेल की कीमतें और सप्लाई चेन की दिक्कतें भारत जैसे आयातक देश के लिए चुनौती हैं। दूसरी, विदेशी मुद्रा भंडार और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। सोना और पेट्रोलियम दोनों ही विदेशी मुद्रा की बड़ी निकासी के स्रोत हैं।

आर्थिक संकट केवल बाहरी कारणों से नहीं आता। नीतिगत तैयारी भी उतनी ही अहम है। पिछले एक दशक में रणनीतिक तेल भंडारण की क्षमता नहीं बढ़ी। तीनों भंडार यूपीए काल में बने। वैश्विक संकट के समय ये भंडार ही कीमतों का झटका कम करते हैं। कृषि में उर्वरक का विवेकपूर्ण इस्तेमाल जरूरी है, पर किसानों से अपील से पहले विकल्प देने होंगे। विदेश यात्रा और सोने की खरीद पर रोक से मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं पर असर पड़ेगा।

संकट के समय नेतृत्व का काम केवल अपील करना नहीं, भरोसा देना भी है। सरकार को बताना होगा कि विदेशी मुद्रा की स्थिति क्या है, तेल भंडारण बढ़ाने की योजना क्या है, और आम आदमी पर बोझ कैसे कम होगा। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर सियासत से ऊपर उठकर समाधान का हिस्सा बनना चाहिए। विपक्ष की बैठक बुलाकर साझा रणनीति बनाना वक्त की मांग है।

नागरिकों से अपील तभी सार्थक होगी जब सरकार खुद मिसाल पेश करे। मंत्रियों, सांसदों और अधिकारियों के काफिले छोटे हों, सरकारी आयोजनों में फिजूलखर्ची रुके। अर्थव्यवस्था केवल आंकड़ों से नहीं, लोगों के भरोसे से चलती है। प्रधानमंत्री की अपील ने बहस छेड़ दी है। अब जरूरी है कि बहस से निकलकर ठोस कदम उठें, ताकि अपील याचना न लगे, साझा संकल्प बने।

कपड़ा फेरीवाले बनकर गांजा तस्करी, रायपुर रेंज पुलिस ने नाकाम किया शातिर तरीका

महासमुंद-धमतरी-गरियाबंद में 378 किलो गांजा जब्त, 12 अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ऑपरेशन निश्चय के तहत रायपुर रेंज पुलिस ने गांजा तस्करी के एक नए और शातिर तरीके को नाकाम करते हुए महासमुंद, धमतरी और गरियाबंद में 378.060 किलो गांजा जब्त किया है। अंतरराज्यीय तस्करों ने कपड़ा फेरीवाले बनकर मोटरसाइकिल की पिछली सीट पर लोहे का गुप्त कम्पार्टमेंट बनाकर गांजा छिपाया था। पुलिस ने 12 अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर 11 वाहनों सहित कुल 1.98 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 1.89 करोड़ रुपये आंकी गई है।

कैसे करते थे तस्करी

तस्कर ओडिशा के बालिगुड़ा और तितरी रायगढ़ा से गांजा लाकर मध्यप्रदेश में खपाने की योजना बना रहे थे। वे कपड़ों के ढेर के पीछे मोटरसाइकिल की सीट पर विशेष धातु का कम्पार्टमेंट बनाकर गांजा छिपा रहे थे। बाहर से देखने पर वे सामान्य स्ट्रीट वेंडर लगते थे। पुलिस की तकनीकी सूचना और मुस्तैदी से यह पैतरा पकड़ में आ गया।

महासमुंद में 247 किलो गांजा जब्त

थाना बसना पुलिस ने ओडिशा से महासमुंद की ओर आ रही 5 मोटरसाइकिलों को रोका। इनमें 215 किलो गांजा के साथ 5 आरोपी गिरफ्तार हुए। इसी तरह कोमाखान पुलिस ने 9.06 किलो गांजा के साथ 2 और आरोपियों को पकड़ा। एक अन्य मामले में 23 किलो गांजा के साथ 3 आरोपी पकड़े गए। कुल 247 किलो गांजा और 7 मोटरसाइकिलें जब्त हुईं।

धमतरी में 131 किलो गांजा बरामद

धमतरी पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान 131.005 किलो गांजा के साथ 2 तस्कर और एक विधि से संघर्षरत बालक को गिरफ्तार किया। तीन मोटरसाइकिलें भी जब्त की गईं। पुलिस ने बताया कि इससे पहले तस्कर एंबुलेंस, केला परिवहन, मूवर्स एंड पैकर्स और बस-ट्रेन का इस्तेमाल कर चुके हैं। अब कपड़ा फेरीवाले बनकर तस्करी का नया तरीका अपनाया था, जिसे रायपुर रेंज पुलिस ने विफल कर दिया।

गर्लफ्रेंड से बातचीत पर विवाद, दुर्ग में युवक की हत्या; 2 घायल, 5 आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। गर्लफ्रेंड से बातचीत को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया। कोतवाली थाना क्षेत्र में देर रात पांच युवकों ने मिलकर राजीव नगर निवासी जितेश ठाकुर (20 वर्ष) की हत्या कर दी। हमले में राहुल ठाकुर और नेहरू ठाकुर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। नेहरू की हालत नाजुक है और उसका आरोग्यं हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। घटना रात करीब 2 बजे केजू राइस मिल के पास हुई। वारदात के बाद कोतवाली पुलिस और क्राइम ब्रांच ने आरोपियों की तलाश शुरू की। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। सुबह तक पुलिस ने हत्या में शामिल पांचों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

पूछताछ में स्वीकार किया अपराध : प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने गर्लफ्रेंड से बातचीत को लेकर विवाद होना स्वीकार किया। विवाद इतना बढ़ा कि खूनी वारदात में बदल गया। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है।

बीएसपी ने रचा इतिहास : स्टील लैडल लाइफ में 153 हीट्स का नया कीर्तिमान

एसएमएस-3 का 148 हीट्स का पुराना रिकॉर्ड टूटा, रिफ्रैक्टरी टीमों के समन्वय से मिली सफलता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने इस्पात निर्माण में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। संयंत्र ने सिलिकॉन किल्ड स्टील में 153 हीट्स की स्टील लैडल लाइफ प्राप्त कर नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया है। यह आंकड़ा स्टर-3 द्वारा बनाए गए 148 हीट्स के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए इरढ के इतिहास में सर्वाधिक लैडल लाइफ बन गया है।

समन्वय से मिली सफलता

यह उपलब्धि रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग विभाग, स्टर-3 विभाग और सेल रिफ्रैक्टरी कंपनी लिमिटेड, सेलम के उत्कृष्ट समन्वय का नतीजा है। SRCL ने गुणवत्तापूर्ण रिफ्रैक्टरी ब्रिक्स की समयबद्ध आपूर्ति और कुशल एप्लीकेशन से अहम भूमिका निभाई।

नेतृत्व और टीमवर्क

मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी) प्रोसेनजीत दास और मुख्य महाप्रबंधक (स्टर-3) त्रिभुवन बैठा के नेतृत्व में यह कीर्तिमान बना। रिफ्रैक्टरी कार्यों का नेतृत्व सहायक महाप्रबंधक मोहम्मद साबिर ने किया। उनके साथ सहायक महाप्रबंधक जे.आर. मारकंडे और उप प्रबंधक हर्ष वर्धन सिंह ने निरंतर मॉनिटरिंग और तकनीकी सुधार से लैडल लाइफ बढ़ाई। संचालन में महाप्रबंधक हिमांशु भूषण मलिक और उप महाप्रबंधक मोहम्मद जावेद अंसारी के बेहतर प्रक्रिया नियंत्रण और अनुशासित संचालन का योगदान रहा।

शून्य दुर्घटना के साथ रिकॉर्ड

153 हीट्स की यह रिकॉर्ड लैडल लाइफ पूर्ण सुरक्षा और शून्य दुर्घटना के साथ हासिल की गई। यह टीमों की सुदृढ़ सुरक्षा संस्कृति और बेहतर कार्य प्रणाली को दर्शाती है। इरढ प्रबंधन ने सभी संबंधित टीमों के अथक परिश्रम, वैज्ञानिक रिफ्रैक्टरी प्रबंधन और उत्कृष्ट समन्वय की सराहना की है।

प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा लेंगे जिला स्तरीय समीक्षा बैठक कल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के प्रमुख सचिव एवं दुर्ग जिले के प्रभारी सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में 12 मई मंगलवार को जिला स्तरीय समीक्षा बैठक होगी। बैठक लोक निर्माण विभाग के मीटिंग हॉल में दो चरणों में होगी। प्रातः 10:30 बजे NCORD की समीक्षा होगी, जबकि 11:00 बजे से जिला स्तरीय समीक्षा बैठक शुरू होगी। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने इस संबंध में जिले के सभी विभाग प्रमुखों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सभी अधिकारियों को बैठक के निर्धारित एजेंडा के आधार पर अद्यतन जानकारी के साथ तय समय पर उपस्थित होने को कहा गया है।

विदेशी प्रवासी पक्षियों का अहम पड़ाव बना खैरागढ़, जलाशय हुए गुलजार

सेंट्रल एशियन फ्लाईवे का हिस्सा बना छत्तीसगढ़, साइबेरिया-यूरोप से आ रहे परिंदे

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

छत्तीसगढ़ का खैरागढ़ जोन अब विदेशी प्रवासी पक्षियों के लिए सेंट्रल एशियन फ्लाईवे का अहम पड़ाव बन गया है। साइबेरिया, रूस, मंगोलिया, यूरोप और मध्य एशिया से हजारों मील की उड़ान भरकर दुर्लभ पक्षी यहां के जलाशयों में डेरा डाल रहे हैं।

अक्टूबर से मार्च तक रहते हैं मेहमान

सर्दियों की शुरुआत के साथ ही कॉमन क्रेन, ब्राह्मणी बतख, नॉर्दर्न शोवलर, यूरेशियन कर्ल्यू, व्हिम्ब्रेल, साइबेरियन रूबीथ्रोट, ग्रेटर फ्लेमिंगो, ग्रेट व्हाइट पेलिकन, स्पॉटेड रेडशैंक, गैडवाल, रफ और ब्लूथ्रोट जैसे आकर्षक पक्षी छत्तीसगढ़ पहुंचते हैं। खैरागढ़, डोंगरगढ़, रायपुर, बिलासपुर, महानदी-शिवनाथ नदी तट, बेलौदी डैम और अन्य बांध क्षेत्रों में इनकी सक्रिय मौजूदगी दर्ज की जाती है।

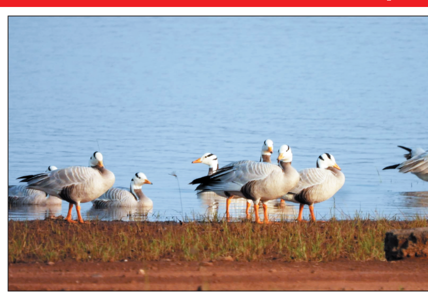

विशेषज्ञों के मुताबिक छत्तीसगढ़ सेंट्रल एशियन फ्लाईवे का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो प्रवासी पक्षियों के अंतरराष्ट्रीय मार्गों में प्रमुख स्थान रखता है। इसी वजह से हर साल बड़ी संख्या में जलपक्षी और दुर्लभ प्रजातियां यहां आती हैं। खैरागढ़-डोंगरगढ़ के तालाब और जलाशय अब इन पक्षियों के सुरक्षित ठिकानों के रूप में पहचान बना रहे हैं।

जैव विविधता का प्रतीक

पर्यावरणविदों का कहना है कि प्रवासी पक्षियों की मौजूदगी किसी क्षेत्र की स्वस्थ पारिस्थितिकी का संकेत है। ये पक्षी प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाने के साथ जल स्रोतों और पर्यावरणीय तंत्र का संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

संरक्षण की जरूरत

हालांकि बढ़ता प्रदूषण, जलाशयों का सिकुड़ना, अवैध शिकार और मानव हस्तक्षेप इनके अस्तित्व के लिए चुनौती बन रहे हैं। विशेषज्ञों ने वेटलैंड्स बचाने, जल स्रोतों के संरक्षण और पक्षियों के सुरक्षित आवास सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

विश्व प्रवासी पक्षी दिवस हर साल मई और अक्टूबर के दूसरे शनिवार को मनाया जाता है। 2006 से शुरू इस वैश्विक अभियान का उद्देश्य प्रवासी पक्षियों और उनके आवासों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

भेलवा तालाब में कचरे से रुका पानी का बहाव, सफाई के बाद होगा जलभराव

निगम अधिकारियों ने किया निरीक्षण, नवनिर्मित नाले की गुणवत्ता भी परखी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नेहरू नगर जोन-1 अंतर्गत भेलवा तालाब में जलभराव के दौरान निकासी स्थल पर कचरा जमा होने से पानी का प्रवाह बाधित हो गया है। स्थिति को देखते हुए नगर निगम अधिकारियों ने रविवार को स्थल का निरीक्षण किया और तालाब की सफाई के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि पानी निकासी वाले स्थान पर कचरा जाम होने से बहाव प्रभावित हो रहा है। सफाई के लिए पहले पानी की दिशा बदलकर तालाब की समुचित सफाई कराई जाएगी।

इसके बाद पुनः जलभराव का कार्य शुरू होगा, ताकि भविष्य में निकासी की समस्या न हो।

निरीक्षण के दौरान भेलवा तालाब के पास नवनिर्मित नाले का भी अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने नाला निर्माण की गुणवत्ता और जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया और कमर्चारियों को जरूरी निर्देश दिए।

निगम द्वारा क्षेत्र में जलभराव और सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। निरीक्षण में जोन आयुक्त येशा लहरे, उप अभियंता बसंत साहू, रीमा जामुलकर और जोन स्वच्छता निरीक्षक अंकित सक्सेना मौजूद रहे।

खास खबर

बीएसपी में स्टैंडर्ड सस्टेनेंस ट्रैकर पर लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सुरक्षा मानकों की सतत मॉनिटरिंग पर जोर, 32 प्रतिभागी हुए शामिल

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग ने मानव संसाधन विकास केंद्र के सभागार में स्टैंडर्ड सस्टेनेंस ट्रैकर विषय पर लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं देबदत्त सतपथी के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक प्रभारी सुरक्षा अभियांत्रिकी एस. के. अग्रवाल रहे। उन्होंने औद्योगिक सुरक्षा में स्टैंडर्ड सस्टेनेंस ट्रैकर की उपयोगिता बताते हुए कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों के सतत अनुपालन और प्रभावी मॉनिटरिंग जरूरी है। व्यवस्थित ट्रैकिंग प्रणाली से सुरक्षा संस्कृति और मजबूत होगी।

फैकल्टी वक्ता महाप्रबंधक फोर्ज एंड एसएस शॉप जितेन्द्र मोटवानी ने 360 डिग्री डेली ऑब्जर्वेशन एवं कंट्रोल की अवधारणा पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा प्रणाली की सफलता के लिए विभाग के शत-प्रतिशत कार्यक्षेत्र और सभी कमर्चारियों की सक्रिय सहभागिता जरूरी है। श्री मोटवानी ने स्टैंडर्ड सस्टेनेंस ट्रैकर के लॉजिक, कार्यप्रणाली और व्यावहारिक उपयोग भी समझाए। कार्यक्रम में कुल 32 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसका समन्वय सहायक महाप्रबंधक सुरक्षा अभियांत्रिकी अजय टल्लू ने किया।

समाधान शिविर में घर के द्वार मिला लर्निंग लाइसेंस, तारकेश्वरी ने जताई खुशी

दुर्ग। सुशासन तिहार 2026 के तहत ग्राम पंचायत घुघवा और ढौर में आयोजित समाधान शिविर ग्रामीणों के लिए समाधान का केंद्र बन रहे हैं। जिन कामों के लिए पहले दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, अब वे सुविधाएं गांव में ही मिल रही हैं। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों को लर्निंग लाइसेंस की सुविधा दी गई। पहले लाइसेंस बनवाने के लिए बार-बार परिवहन कार्यालय जाना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती थी। लाइसेंस नहीं होने से वाहन चलाते समय पुलिस कारर्वाई का डर भी बना रहता था। घुघवा शिविर में लर्निंग लाइसेंस पाने वाली श्रीमती तारकेश्वरी बहादुर ने खुशी जताते हुए कहा कि अब दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने बताया कि शासन की इस पहल से आम लोगों को बड़ी राहत मिली है। घर के द्वार पर ही सुविधा मिलने से वे बेहद खुश हैं। श्रीमती तारकेश्वरी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम जनता के लिए लाभकारी साबित हो रहा है। इससे लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है और शासन की योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है।

कुम्हारी में कल लगेगा जन समस्या निवारण शिविर, सुबह 9 से शाम 4 बजे तक होगा आयोजन

भिलाई-कुम्हारी। सुशासन तिहार-2026 के तहत नगरीय निकाय क्षेत्रों में जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 12 मई को नगर पालिका परिषद कुम्हारी में विशेष शिविर लगाया जाएगा। शिविर वार्ड क्रमांक 15 स्थित बैडमिंटन कोर्ट में आयोजित होगा। इसमें वार्ड क्रमांक 09 से 12 और 14 व 15 के नागरिक अपनी शिकायतों और मांगों का निराकरण कराने के लिए सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक पहुंच सकते हैं। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराएं।

दुर्ग पुलिस ने की तड़के कॉम्बिंग गश्त, अवैध हथियार-गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

100 जवानों ने ग्रीन चौक, टिपरापारा समेत चार इलाकों में की सघन चेकिंग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

दुर्ग पुलिस ने सोमवार तड़के शहर में विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाकर अवैध हथियार और गांजा के साथ दो आरोपियों को पकड़ा है। कार्रवाई सुबह 4 बजे से 8 बजे तक मोहन नगर और सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में की गई।

100 पुलिसकर्मियों ने की छापेमारी

नगर पुलिस अधीक्षक यदुमणि सिदार और एसडीओपी पाटन अनूप लकड़ा के नेतृत्व में लगभग 100 पुलिस बल ने ग्रीन चौक, टिपरापारा, हरणा बांधा और तकिया पारा क्षेत्र में एक साथ सर्च अभियान चलाया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, मकानों और आदतन अपराधियों के ठिकानों की तलाशी ली गई।

ये हुए गिरफ्तार, ये हुआ जब्त

ग्रीन चौक निवासी विकास यादव उर्फ लासा, उम्र 21 वर्ष के पास से अवैध गांजा मिला। वहीं प्रशांत उर्फ बालू के कब्जे से तलवार, धारदार हथियार और गुप्ती बरामद हुई। पुलिस ने एक संदिग्ध मोटर साइकिल भी जब्त की है। विकास यादव के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और प्रशांत उर्फ बालू के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा रही है।

लगातार रहेगी कार्रवाई

पुलिस ने बताया कि अपराधों की रोकथाम और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान चलाया गया। असामाजिक तत्वों और आदतन बदमाशों पर लगातार प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अवैध हथियार, मादक पदार्थ या संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। कानून तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में मोहन नगर और सिटी कोतवाली की संयुक्त टीम, पेट्रोलिंग स्टाफ और कॉम्बिंग गश्त में शामिल अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रही।

जमीन फर्जीवाड़ा केस में फरार उद्योगपति दंपति की तलाश, पुलिस ने बनाई तीन टीमें, सिमप्लेक्स कॉस्टिंग की संचालिका संगीता शाह और पति केतन शाह पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

भिलाई। जमीन फर्जीवाड़ा के मामले में फरार चल रहे उद्योगपति दंपति की तलाश के लिए सुपेला पुलिस ने तीन टीमें गठित की हैं। सिमप्लेक्स कॉस्टिंग प्राइवेट लिमिटेड की संचालिका संगीता शाह और उनके पति केतन शाह के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं।

कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ केस : शिकायतकर्ता सुनील सोमन ने कोहका की जमीन के फर्जीवाड़े की शिकायत सुपेला पुलिस से की थी, लेकिन काफी समय तक केस दर्ज नहीं हुआ। इसके बाद सुनील ने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने संगीता शाह और केतन शाह के खिलाफ अपराध दर्ज किया।

जगह-जगह दबिश, मोबाइल ट्रेस : टीआई विजय यादव ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की तीन टीमें अलग-अलग जगह दबिश दे रही हैं। खोजबीन में एसीसीयू की टीम भी जुटी है। पुलिस को अब तक संगीता और केतन का कोई सुराग नहीं मिला है। उनके मोबाइल नंबर भी ट्रेस किए जा रहे हैं।

पहले भी दर्ज है केस : शिकायतकर्ता के मुताबिक यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 7 अप्रैल 2025 को पुलगांव थाने में भी संगीता केतन शाह के खिलाफ धारा 420 के तहत अपराध क्रमांक 109/25 दर्ज है। उस मामले में संगीता शाह अग्रिम जमानत पर हैं। पुलिस ने बताया कि जमीन धोखाधड़ी के इस मामले में जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

मनाया सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, सांसद व महापौर ने किया शिव मंदिर में पूजा

अटूट आस्था के 1000 वर्ष कार्यक्रम में पीएम के सोमनाथ पूजन का हुआ सीधा प्रसारण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिला प्रशासन द्वारा प्राचीन शिव मंदिर देवबलौदा में ह्यसोमनाथ स्वाभिमान पर्व - अटूट आस्था के 1000 वर्षह्ण कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सांसद विजय बघेल, महापौर अलका बाघमार और कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मंदिर में विधिवत पूजा-अचर्ना कर प्रदेश व शहरवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम में गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई पूजा-अचर्ना का सीधा प्रसारण किया गया। इस मौके पर अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व मंत्री रमशिला साहू सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कमर्चारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सनातन संस्कृति का प्रतीक है पर्व

सांसद विजय बघेल ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। हजारों वर्षों से हमारी परंपराएं समाज को एकता, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा देती आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और धार्मिक विरासत से जोड़ते हैं। देवबलौदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। कार्यक्रम स्थल पर भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। अतिथियों ने भी भगवान शिव का आशीर्वाद लेकर क्षेत्र की उन्नति एवं जनकल्याण की कामना की।

मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना 2026 : 21 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं को राहत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 दुर्ग क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत बनकर आई है। 8 मई 2026 तक 21543 सक्रिय उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ उठाते हुए 1 करोड़ 89 लाख 56 हजार रुपए से अधिक की बकाया राशि जमा कर दी है। CSPDCL दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल ने बताया कि 31 मार्च 2023 की स्थिति में 30666 सक्रिय उपभोक्ता इस योजना के लिए पात्र हैं, जिन पर कुल 16 करोड़ 97 हजार 546 रुपए बकाया है।

निष्क्रिय उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

योजना का लाभ सक्रिय के साथ निष्क्रिय उपभोक्ताओं को भी मिल रहा है। अब तक 30458 निष्क्रिय उपभोक्ताओं ने 36 लाख 33 हजार रुपए जमा किए हैं। इन पर कुल 18 करोड़ 3 लाख 69 हजार रुपए बकाया था, जिसमें से पात्रता अनुसार शेष राशि माफ कर दी गई है।

क्या है योजना में छूट का प्रावधान

निष्क्रिय उपभोक्ताः बीपीएल को मूल राशि पर 75% और घरेलू/कृषि को 50% छूट। अधिभार पर 100% छूट।

सक्रिय बीपीएल : 5 साल से अधिक बकाया पर मूल राशि में 75%, 5 साल से कम पर 50% छूट। अधिभार 100% माफ।

सक्रिय घरेलू/कृषिः एकमुश्त भुगतान पर मूल राशि में 10%, तीन किस्तों में 5% अतिरिक्त छूट। 6 किस्तों की सुविधा। अधिभार 100% माफ।

पंजीयन हुआ आसान

योजना का लाभ लेने के लिए 'मोर बिजली ऐप' या बिजली कार्यालय में पंजीयन कराना होगा। पहले कुल बकाया का 10% अग्रिम जमा करना था, जिसे घटाकर अब 5% कर दिया गया है। बीपीएल उपभोक्ताओं को पंजीयन पर कोई अग्रिम राशि नहीं देनी होगी। किस्तों में भुगतान पर नया अधिभार नहीं लगेगा।

नई सुविधा भी जोड़ी गई

31 मार्च 2023 के बाद निष्क्रिय हुए उपभोक्ता भी बिना पंजीयन छूट का लाभ ले सकेंगे। वे औपचारिकता पूरी कर फिर सक्रिय होकर भी योजना में शामिल हो सकते हैं। छूट की गणना 31 मार्च 2023 तक की मूल बकाया राशि पर होगी। उस तारीख तक का पूरा सरचार्ज और उसके बाद का संपूर्ण सरचार्ज माफ कर दिया जाएगा। विभाग ने बकायादारों से अपील की है कि वे जल्द योजना का लाभ लेकर पुराने बिजली बिलों के बोझ से मुक्त हों।

दुर्ग में मिली गांधीजी की 1935 की हस्तलिखित चिट्ठी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी को लिखी थी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ज्ञानभरतम मिशन के तहत होगा डिजिटलीकरण, दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह को सौंपी गई दुर्लभ धरोहर

दुर्ग में महात्मा गांधी द्वारा सन् 1935 में लिखी गई एक दुर्लभ हस्तलिखित चिट्ठी मिली है। यह चिट्ठी स्वतंत्रता सेनानी उदय प्रसाद उदय को संबोधित है। नगर निगम दुर्ग के वार्ड 37 निवासी अशोक ताम्रकार के पास यह ऐतिहासिक दस्तावेज संरक्षित था। श्री ताम्रकार ने यह चिट्ठी कलेक्टर अभिजीत सिंह को अवलोकन के लिए सौंपी।

भारत सरकार के ज्ञानभरतम मिशन के तहत प्राचीन पांडुलिपियों की पहचान कर उन्हें डिजिटल रूप में संरक्षित किया जा रहा है। इस चिट्ठी को भी मिशन के अंतर्गत डिजिटाइज कर संरक्षित किया जाएगा। इस मौके पर मिशन के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी मौजूद रहे। प्रशासन ने कहा कि इस तरह की ऐतिहासिक धरोहरें आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

भिलाई-रिसाली में आदर्श आचार संहिता खत्म, उपचुनाव कार्यक्रम में संशोधन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की संशोधित अधिसूचना के बाद कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने नगर पालिक निगम भिलाई और रिसाली में पार्षद पद के उप-चुनाव क्षेत्रों में लगी आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है। राज्य निर्वाचन आयोग ने पार्षद पद के लिए जारी संशोधित अनुसूची में सरल क्रमांक 01, 03, 05 और 12 को विलोपित कर दिया है। सरल क्रमांक 03 के अंतर्गत दुर्ग जिले के भिलाई और रिसाली नगर निगम क्षेत्र शामिल थे। इन्हें अनुसूची से हटाए जाने के कारण यहां लागू आदर्श आचार संहिता भी खत्म कर दी गई है। आदेश जारी होने के बाद अब इन क्षेत्रों में सामान्य प्रशासनिक कामकाज और विकास कार्यों पर लगी रोक हट गई है।

भिलाई में स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर समीक्षा, कचरा पृथक्करण पर जोर

आयुक्त बोले- गीला, सूखा, सैनिटरी व विशेष अपशिष्ट अलग कर दें दीदियों को

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने रविवार को निगम सभागार में स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर समीक्षा बैठक ली। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत काम को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट का पृथक्करण, परिवहन और निपटान चार श्रेणियों में अनिवार्य है। इसमें गीला अपशिष्ट, सूखा अपशिष्ट, सैनिटरी अपशिष्ट और विशेष देखभाल वाले अपशिष्ट शामिल हैं।

इन बिंदुओं पर रहेगा फोकस

आयुक्त ने बल्क वेस्ट जेनरेटर, समय-सीमा निर्धारण, उपलब्ध अधोसंरचना का अंकेक्षण, लीगेसी वेस्ट डंपसाइट, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी और ठोस अपशिष्ट संग्रहण के लिए नवीन व पुराने वाहनों में चार-कक्षीय संग्रहण पर जोर दिया। साथ ही जन जागरूकता, ऑनलाइन शिकायत, शिक्षण संस्थाओं की सहभागिता को बढ़ाने के निर्देश दिए। नियम का पालन न होने पर सवोच्च न्यायालय के आदेशानुसार अथर्दंड का प्रावधान है।

आयुक्त ने नागरिकों से घरों का कचरा अलग-अलग कर महिला स्व सहायता समूह की दीदियों को देने की अपील की। इससे एसएलआरएम सेंटर का काम आसान होगा और खर्च घटेगा। स्कूल, अस्पताल और सार्वजनिक शौचालयों को उपयोग के बाद साफ रखने का भी अनुरोध किया।

मुख्य कार्यालय और पांच जोन की स्वास्थ्य टीमें मैदानी क्षेत्रों में कायर्योजना बनाकर काम करेंगी। प्रचार-प्रसार और मुनादी के जरिए स्वच्छता को लेकर जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में जोन आयुक्त ऐशा लहरे, अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उद्यान सह जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू, बीएसपी नगर सेवाएं स्वास्थ्य अधिकारी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और संस्कृति-परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का माध्यम : मुख्यमंत्री

कलिबेश्वर महादेव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने जशपुर प्रवास के दौरान विकासखंड कुनकुरी के ग्राम कलिबा में नवनिर्मित कलिबेश्वर महादेव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय भी उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यज्ञमंडप में हरिनाम संकीर्तन करते हुए परिक्रमा की तथा यज्ञशाला में विधिवत पूजा-अचर्ना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की। उन्होंने मंदिर निर्माण को क्षेत्र की आस्था, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकजुटता से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति सेवा, सद्भाव, सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देती है। मंदिर केवल आस्था का

केंद्र नहीं होते, बल्कि समाज को जोड़ने तथा संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम भी हैं। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने ग्रामवासियों को नवनिर्मित मंदिर के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए ग्राम कलिबा में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 25 लाख रुपये की घोषणा की। साथ ही हनुमान टेकरी में सामुदायिक भवन तथा सूर्य नमस्कार की मुद्राओं की प्रतिकृति निर्माण की घोषणा भी की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने 28 माह के कायर्काल की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अधिकांश गारंटियों को तेजी से लागू किया है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित महतारी वंदन योजना के अंतर्गत अब तक 27वीं किस्त के रूप में महिलाओं के खातों में 17 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है और राज्य सरकार रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 42 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को भगवान श्री राम के दर्शन करा चुकी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से देशभर के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा भी कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रदेशभर में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष राजस्व शिविर भी लगाए गए हैं। उन्होंने लोगों से इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शुरू की जाएगी, जिसके लिए एक टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा। इस माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे तथा निर्धारित समय-सीमा में उनके समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। समय पर समाधान नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा तथा 757 करोड़ रुपये के बिजली बिल माफ किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराने की अपील की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हाल ही में प्रदेश की नवगठित 515 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) का वर्चुअल शुभारंभ किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश में सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर 2 हजार 573 हो गई है। अब पैक्स समितियां बहुउद्देश्यीय सोसायटी के रूप में कार्य करेंगी, जिससे किसानों को खाद, बीज और अल्पकालीन ऋण जैसी सुविधाएं गांव के नजदीक ही उपलब्ध हो सकेंगी तथा धान खरीदी प्रक्रिया भी अधिक सरल और सुविधाजनक बनेगी।

इस अवसर पर पद्मश्री जागेश्वर यादव, छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, मंदिर समिति अध्यक्ष उपेंद्र यादव, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुशीला साय, पूर्व संसदीय सचिव भरत साय, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

खास खबर

जलेश्वर महादेव धाम में मुख्यमंत्री साय ने किया जलाभिषेक : प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कबीरधाम जिले के पंडरिया विकासखंड अंतर्गत डोंगरिया गांव पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध जलेश्वर महादेव धाम में विधि-विधान से पूजा-अचर्ना कर जलाभिषेक किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक पंडरिया श्रीमती भावना बोहरा, विधायक तखतपुर धमर्जीत सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी और श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं हमारी पहचान हैं। ऐसे पवित्र धाम केवल आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने वाले प्रेरणा स्थल भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार हेतु कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने क्षीरपानी जलाशय मध्यम परियोजना अंतर्गत 50 करोड़ की लागत से नहर विस्तारीकरण कार्य कराने की घोषणा की। इस परियोजना से लगभग 1100 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार होगा और किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने जलेश्वर महादेव धाम के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा भी की। साथ ही उन्होंने खरहट्टा से डोंगरिया तक लगभग 2.5 किलोमीटर सड़क के उन्नयन कार्य की घोषणा करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में आवागमन अधिक सुगम और सुविधाजनक होगा। उल्लेखनीय है कि कबीरधाम जिले के डोंगरिया गांव स्थित जलेश्वर महादेव धाम स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत पूजनीय स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां स्थित शिवलिंग प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ है। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा यह शिवधाम विशेष रूप से सावन माह, सावन सोमवार और महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन जाता है। पहाड़ी और नदी-घाट के रमणीय वातावरण में स्थित यह धाम शिवभक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए विशेष पहचान रखता है।

मोदी परिस्थितियों से डरकर सरेंड कर रहे हैं : दीपक

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने और सोना न खरीदने की अपील पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी स्थितियों के सामने सरेंड कर रहे हैं और अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं।

पहले भाजपाई साइकिल चलाएं : बैज ने कहा कि यदि देश में पेट्रोलियम का संकट है तो इसके पीछे मोदी सरकार की विफल नीतियां हैं। उन्होंने भाजपा के मंत्री, विधायक और पदाधिकारियों से अपील की कि वे पहले खुद साइकिल से चलें और डीजल-पेट्रोल बचाएं, उसके बाद जनता से अपेक्षा करें। **विदेश नीति पर सवाल :** कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने रूस जैसे पारंपरिक मित्र के साथ खड़े होने के बजाय अमेरिका-ईरान युद्ध में अनावश्यक झुकाव दिखाया। अगर भारत की पारंपरिक विदेश नीति अपनाई जाती तो पेट्रोलियम की कमी की समस्या नहीं आती। **आर्थिक स्थिति पर भय पैदा किया :** दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री की सोना न खरीदने की अपील से साफ है कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। इससे लोगों में भय पैदा हुआ है जो देश की प्रगति के लिए बाधक है। **भंडारण केंद्र पर उठाए सवाल :** उन्होंने कहा कि 12 साल में मोदी सरकार ने एक भी क्रूड ऑयल भंडारण केंद्र नहीं बनाया। देश में मौजूदा 3 भंडारण केंद्र विशाखापट्टनम, मंगलुरू और पेडूर में हैं, जिनका निर्माण यूपीए सरकार ने कराया। देश की कुल भंडारण क्षमता 5 .33 मिलियन टन है, जो कांग्रेस सरकार की देन है।

देश की प्रगति और राष्ट्रीय एकता में क्षत्रिय कुर्मी समाज का योगदान अविस्मरणीय : मुख्यमंत्री साय

अखिल भारतीय क्षत्रिय कुर्मी समाज के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन व सम्मान समारोह में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कबीरधाम जिले के डोंगरिया में आयोजित अखिल भारतीय क्षत्रिय कुर्मी समाज के प्रदेश स्तरीय सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज की एकता, संगठन, सामाजिक चेतना तथा देश और प्रदेश के विकास में कुर्मी समाज के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि एक संगठित और सशक्त समाज ही मजबूत राष्ट्र की आधारशिला होता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों को सिंचाई, सड़क और धार्मिक पर्यटन से जुड़े महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगात भी दी। इससे पूर्व उन्होंने जलेश्वर महादेव धाम पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुर्मी समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जैसी महान विभूतियों ने देश की एकता, सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कुर्मी समाज मेहनतकश, प्रगतिशील और जागरूक समाज है, जिसने खेती-किसानी से लेकर शिक्षा, प्रशासन और सामाजिक नेतृत्व तक हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के नए दौर से गुजर रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण करोड़ों देशवासियों की आस्था का प्रतीक बना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार रामलला दर्शन योजना के माध्यम से श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन करा रही है तथा अब तक लगभग 42 हजार श्रद्धालु इसका लाभ ले चुके हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना को भी पुनः प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को देश के 19 प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में मोदी की गारंटी को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत अब तक 27 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है, जिससे प्रदेश की लाखों मातृशक्ति के खातों में 27-27 हजार रुपये की राशि पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 हजार 500 करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिससे कृषि क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी। रेलवे अधोसंरचना के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। प्रदेश की पांच प्रमुख शक्ति पीठों को विकसित कर धार्मिक और सांस्कृतिक कॉरिडोर के माध्यम से जोड़ने की दिशा में भी सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जो समाज शिक्षित और संगठित होता है, वही निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित करता है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता और संगठन में निहित होती है। उन्होंने कहा कि जिस समाज के प्रेरणास्रोत छत्रपति शिवाजी महाराज और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महानायक हों, वह समाज स्वाभाविक रूप से गौरवशाली और प्रगतिशील बनता है। उन्होंने समाज से शिक्षा, संगठन और सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का आह्वान किया।

राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि कुर्मी समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकजुटता, संगठन और पारस्परिक विश्वास है। उन्होंने कहा कि जहां विश्वास, संस्कार और चरित्र का समावेश होता है, वहां समाज निरंतर प्रगति करता है और नई पीढ़ियों को दिशा देता है।

तखतपुर विधायक धरमजीत सिंह ने कहा कि कुर्मी समाज छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख, जागरूक और प्रगतिशील समाज है, जिसकी मजबूत उपस्थिति प्रदेश के लगभग प्रत्येक गांव में दिखाई देती है। पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि कुर्मी समाज मेहनत, कर्मठता और प्रगतिशील सोच के लिए जाना जाता है तथा समाज के लोग हर क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं।

अखिल भारतीय क्षत्रिय कुर्मी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश कटियार ने कहा कि कुर्मी समाज की संगठनात्मक परंपरा 132 वर्षों से अधिक पुरानी है। समाज ने अपनी मेहनत, सामाजिक मूल्यों और एकता के बल पर देशभर में विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां कुर्मी समाज की सक्रिय भागीदारी रही है, वहां विकास और सामाजिक प्रगति को नई दिशा मिली है। इस अवसर पर गणमान्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं समाज के लोग उपस्थित थे।

सीएम साय ने किया मुंगेली नगर के चौक-चौराहों में स्थापित प्रतिमाओं का अनावरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शासकीय योजनाओं का लाभ लोगो को प्राप्त हो, यह सुनिश्चित करने के साथ ही सुशासन को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से सुशासन तिहर अंतर्गत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुंगेली जिले के प्रवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मुंगेली नगर के चौक-चौराहों में महापुरुषों एवं संतों की प्रतिमाओं का अनावरण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। प्रतिमाओं के अनावरण कार्यक्रम के दौरान नगर में उत्साह, श्रद्धा और गौरव का वातावरण रहा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक पुन्नू लाल मोहले, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टोरेट कार्यालय के पास भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण कर संविधान निर्माता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को समानता, न्याय और अधिकारों की मजबूत आधारशिला प्रदान की। उनका जीवन शिक्षा, संघर्ष और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणादायी मिसाल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय ने दाऊपारा स्थित गुरु घासीदास बाबा की प्रतिमा का विधिवत अनावरण करते हुए कहा कि बाबा गुरुघासीदास ने सत्य, अहिंसा और समानता का संदेश देकर समाज को नई दिशा दी। उनके विचार आज भी समाज को एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संतों और महापुरुषों की विरासत को संरक्षित करने तथा नई पीढ़ी तक उनके आदर्शों को पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने पड़ाव चौक में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने महाराणा प्रताप को भारतीय इतिहास का महान योद्धा बताते हुए कहा कि उनका जीवन साहस, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से महाराणा प्रताप के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र हित में सक्रिय भूमिका निभाने कहा। मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर रोड तिराहा में भक्त माता कर्मा की प्रतिमा का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि भक्त माता कर्मा सेवा, श्रद्धा और समर्पण की प्रतीक हैं। उनका जीवन समाज को मानव सेवा, भक्ति, परोपकार और संस्कारों की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। स्थानीय नागरिकों एवं समाज प्रमुखों ने प्रतिमा स्थापना को जिले के लिए गौरवपूर्ण पहल बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री साय की पहल से मेधावी विद्यार्थियों को मिला आईपीएल मैच देखने का अवसर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को नई ऊर्जा देने की दिशा में लगातार नवाचारपूर्ण पहल कर रही है। इसी क्रम में राजधानी रायपुर में आयोजित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच का रोमांच प्रदेश के उन मेधावी विद्यार्थियों ने भी महसूस किया, जिन्होंने दसवीं और बारहवीं की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है।

राज्य शासन की विशेष पहल पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित 18 प्रतिभावान विद्यार्थी नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पहुंचे, जहां उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच खेले जा रहे हाई-वोल्टेज मुकाबले का आनंद लिया।मेधावी विद्यार्थियों के लिए यह अवसर केवल एक क्रिकेट मैच देखने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन का सम्मान और उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान देने का प्रेरक प्रयास भी था।

मुख्यमंत्री साय का मानना है कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ऐसे अवसर प्रदान किए जाने चाहिए, जिससे वे अपने सपनों को और बड़े स्तर पर देखने के लिए प्रेरित हों। राज्य सरकार शिक्षा, खेल और युवा प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए लगातार संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

नवा रायपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की भव्यता और आईपीएल मैच के रोमांचक माहौल ने विद्यार्थियों को बेहद उत्साहित कर दिया। अधिकांश विद्यार्थियों के लिए यह पहला अवसर था, जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में लाइव मैच देखने पहुंचे थे। स्टेडियम की आकर्षक रोशनी, हजारों दशर्कों का उत्साह, खिलाड़ियों की ऊर्जा और पूरे आयोजन का जीवंत वातावरण बच्चों के लिए किसी सपने से कम नहीं था। कई विद्यार्थी पहली बार इतने बड़े खेल आयोजन का हिस्सा बनकर अभिभूत नजर आए।

हायर सेकेंडरी परीक्षा की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सरस्वती शिशु मंदिर, पलारी के छात्र जिज्ञासु वर्मा ने कहा कि उन्हें बचपन से क्रिकेट का विशेष शौक रहा है। अब तक वे टीवी पर ही आईपीएल मैच देखा करते थे, लेकिन आज पहली बार इतने विशाल स्टेडियम में लाइव मैच देखने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे रोमांचक और अविस्मरणीय क्षण है। जिज्ञासु ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल ने उनके उत्साह और आत्मविश्वास को नई ऊर्जा दी है। इसी प्रकार कांकेर जिले के स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, नरहरपुर के छात्र एवं बारहवीं की प्रावीण्य सूची में दसवां स्थान प्राप्त करने वाले यश खोबागढ़े ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सामने खेलते देखने की उनकी लंबे समय से इच्छा थी, जो आज पूरी हो गई। उन्होंने कहा कि स्टेडियम का माहौल, दशर्कों का जोश और खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद अद्भुत अनुभव रहा।

मुख्यमंत्री साय ने दी विकास कार्यों की बड़ी सौगात : 16 करोड़ रुपए से अधिक के 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने जशपुर प्रवास के दौरान विकासखंड कुनकुरी अंतर्गत ग्राम पंचायत कलिबा में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को विकास की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कुल 16 करोड़ 5 लाख 91 हजार रुपए की लागत से 12 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इन कार्यों में उच्च स्तरीय पुल, आधुनिक हाट बाजार, फल-सब्जी मंडी, स्कूल भवन और महतारी सदनों जैसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्य शामिल हैं, जिनसे क्षेत्र में आवागमन, शिक्षा, कृषि विपणन, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान और अंतिम व्यक्ति तक विकास की सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सड़क, पुल, स्कूल, बाजार और महिला केंद्र जैसी आधारभूत सुविधाएं केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को मजबूत बनाने का माध्यम हैं। इन कार्यों से लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नए अवसरों का सृजन होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में कुल 12 करोड़ 86 लाख 3 हजार रुपए की लागत से 8 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन बोर्ड के माध्यम से ग्राम पंचायत कलिबा में 57 लाख 66 हजार रुपए की लागत से आधुनिक हाट बाजार का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें कव्हर्ड शेड, बोरवेल एवं सीसी रोड जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बेहराखार में 80 लाख 59 हजार रुपए की लागत से आधुनिक हाट बाजार का निर्माण किया जाएगा। इन बाजारों के बनने से किसानों और ग्रामीण व्यापारियों को अपनी

उपज बेचने के लिए बेहतर एवं सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा तथा स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। लोक निर्माण विभाग (सेतु) द्वारा कलिबा-टांगरबहार (बैगाटोली) मार्ग पर 5 करोड़ 11 लाख 6 हजार रुपए की लागत से उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण किया जाएगा। वहीं बांसपतरा-दुलदुला मार्ग पर चांपाझरिया नाला में 5 करोड़ 90 लाख 80 हजार रुपए की लागत से उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग बनाया जाएगा। इन पुलों के निर्माण से विशेषकर बरसात के दिनों में आवागमन सुगम होगा और ग्रामीणों को लंबे समय से चली आ रही कठिनाइयों से राहत मिलेगी।

इसके साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत प्राथमिक शाला कोरवाडेरा, प्राथमिक शाला डडगांव, माध्यमिक शाला बालक नारायणपुर तथा प्राथमिक शाला लालगोड़ा के नवीन भवन निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया। इन भवनों के निर्माण से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में कुल 3 करोड़ 19 लाख 88 हजार रुपए की लागत से पूर्ण हुए 4 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। कृषि उपज मंडी समिति जशपुर द्वारा ग्राम पंचायत कंडोरा (महुआटोली) स्थित उपमंडी कुनकुरी में 2 करोड़ 45 लाख 78 हजार रुपए की लागत से निर्मित फल-सब्जी मंडी, गोदाम, प्लेटफार्म, टायलेट, पार्किंग एवं सीसी रोड का लोकार्पण किया गया। इस आधुनिक मंडी के शुरू होने से किसानों एवं व्यापारियों को कृषि उपज के भंडारण, परिवहन और विपणन की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

इसके अतिरिक्त पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ढोढ़ीबहार, नारायणपुर एवं केराड़ीह में निर्मित महतारी सदनों का भी लोकार्पण किया गया। प्रत्येक महतारी सदन 24 लाख 70 हजार रुपए की लागत से निर्मित हुआ है। इन केंद्रों में महिलाओं को बैठक, प्रशिक्षण, स्व-सहायता समूह गतिविधियों एवं सामाजिक आयोजनों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा, जिससे महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। पुल और सड़कों के निर्माण से ग्रामीण संपर्क मजबूत होगा, स्कूल भवनों से शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, आधुनिक बाजार एवं मंडियों से किसानों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी तथा महतारी सदन महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत केंद्र बनेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य करना नहीं, बल्कि गांवों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और समृद्ध बनाना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष उपेंद्र यादव सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

संपादकीय

टीवीके सरकार पांच साल चले तो अच्छा है

तमिलनाडु में टीवीके के सीएम के रूप में एक्टर विजय ने रविवार को शपथ ले ली है। शनिवार को उन्होंने राज्यपाल को बताया कि उनके पास 120 विधायकों का समर्थन है और राज्यपाल ने उनको सरकार बनाने के लिए बुला लिया। रविवार को सीएम विजय व उनके मंत्रियों ने शपथ भी ले ली है। इसके बाद स्वाभाविक है यह सवाल उठना कि क्या विजय की सरकार अपने पांच साल पूरे कर पाएगी।देश व राज्यों की राजनीति में तो अब तक का अनुभव यह रहा है कि जितनी भी साझा सरकारें बनीं हैं, उनमें ज्यादातर पांच साल गिर गई हैं या गिरा दी गई हैं।इस मामले में कांग्रेस का रिकार्ड तो बहुत खराब रहा है .वह साझा सरकारों को इसलिए गिरा देती थी कि उसे साबित करना रहता था कि देश हो या राज्य का शासन कांग्रेस को ही करना आता है और बाकी दलों को सरकार चलाना नहीं आता है।

कोई सरकार एक दल के समर्थन पर सत्ता में हो तो एक दल के समर्थन वाली सरकार एक दल के किसी कारण से नाराज होने के कारण गिर जाती है। कुछ समय बाद गिरा दी जाती है। तमिलनाडु में विजय की सरकार तो पांच दलों के समर्थ ? से बनी है। पांच दलों मे एक दो दल भी किसी कारण से नाराज हो गए तो सरकार कभी भी गिर सकती है।पांच दलों मे से कांग्रेस को छोड़ दिया जाए तो कई दल तो ऐसे हैं कि उनको टीवीके से कोई मतलब नहीं है। तमिलनाडु का जनता की भलाई से कोई मतलब नहीं है। वह तो टीवीके का समर्थन इसलिए करने को मजबूर हो गए हैं कि अगर टीवीके की सरकार वह नहीं बनवाएंगे तो भाजपा टीवीके का समर्थन अद्रमुक से करवाकर सत्ता में आ जाएगी। यानी भाजपा टीवीके के साथ मिलकर सरकार न बना ले इसलिए न चाहकर भी कई दलों ने टीवीके का समर्थन किया है। टीवीके की सरकार बनवाई है।

कहने को तो कांग्रेस भी यही कह रही है कि भाजपा का सत्ता में आने से रोकने के लिए ही उसने टीवीए का समर्थन किया है लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस को पहली बार लगा कि यह मौका है तमिलनाडु में अपनी स्थिति को मजबूत करने का क्योंकि द्रमुक के रहते कांग्रेस बीस साल पहले जैसी थी वैसी आज भी है जबकि वह टीवीके साथ जाती है तो नीचे से ऊपर तक सत्ता मे उसकी हिस्सेदारी ज्यादा हो सकती है यानी उसकी स्थिति द्रमुक की तुलना में टीवीके साथ जाने में मजबूत होती है, कहा जा सकता है कि वह कांग्रेस अपनी राजनीतिक फायदे के लिए टीवीके के साथ गई है। यह बात द्रमुक को नागवार गुजरनी ही थी क्योंकि कांग्रेस के सांसद हो या विधायक वह जीते तो द्रमुक के सहयोग के कारण है और कांग्रेस ने मौका मिलते ही द्रमुक को ही ठेंगा दिखा दिया कि तुम्हारे साथ रहने में अब कोई फायदा नहीं है।

कांग्रेस का फायदा अभी टीवीके के साथ जाने में है।इसलिए कांग्रेस टीवीके के साथ है और उसकी कोशिश यही होगी कि टीवीके की सरकार ज्यादा समय तक बनी रहे और उसे तमिलनाडु में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिल सके। मात्र कांग्रेस के समर्थन से तो टीवीके की सरकार बनी नहीं रह सकती। इसलिए कांग्रेस टीवीके के साथ रहना सरकार के बने रहने की गारंटी नहीं है क्योंकि बाकी दल बाहर समर्थन देने वाले हैं उनका कोई राजनीतिक हित टीवीके से जुड़ा हुआ नहीं है, वह विचारधारा के तौर पर द्रमुक से ही जुड़े हुए हैं इसलिए जिस दिन द्रमुक चाहेगा कि टीवीके की सरकार नहीं रहनी चाहिए, उस दिन बिना शर्त समर्थन देने वाले कोई एक दो दल भी समर्थन वापस ले लेंगे तो सरकार गिर जाएगी।

राजनीतिक दल चुनाव के बाद जल्दी फिर से चुनाव भी नहीं चाहते हैं कि क्योंकि फिर चुनाव होने पर क्या पता वह चुनाव जीतेंगे या नहीं इसलिए हर कोई यह चाहता है कि अभी तो सरकार बननी चाहिए ताकि जल्द चुनाव न लड़ना पड़े और यह साबित हो जाए की जनता ने जिस नए राजनीतिक दल पर इतना भरोसा किया है, वह जनता की अपेक्षा को पूरी नही कर पाई। इससे फायदा यह होगा कि जिस जनता को द्रविड़ दलों से मोहभंग हो गया है, वह उसी को अपने लिए ठीक माने यानी तमिलनाडु की राजनीति में वह बदलाव की सोचे नहीं यानी पहले जिस तरह द्रमुक या अद्रमुक की राजनीति चली आ रही थी वही चलती रहे। इसमें भाजपा बाधा बन सकती है क्योंकि भाजपा भी कांग्रेस की तरह चाहती है कि टीवीके सरकार पांच साल चलनी चाहिए ताकि तमिलनाडु की राजनीति बदले और उसमें भाजपा की भी अहम भूमिका हो।

दुनिया में सबसे अनमोल है जीवन की शांति

डॉ. मधुसूदन शर्मा

वतर्मान में पूरी दुनिया को शांति के संदेश की जरूरत है। संघर्ष नहीं, समझौता जरूरी है। हमें अपने अहंकार को नियंत्रित करना है। अपने लोक को संयम में रखना बहुत जरूरी है। आज दुनिया को जिस चीज की सर्वाधिक आवश्यकता है वह है जीवन की शांति। व्यक्ति के जीवन की शांति से ही, परिवार, समाज व देश में शांति संभव है। अक्सर पूछा जाता है कि शांति की परिभाषा क्या है, किसको शांति कहते हैं। किसी ने कहा, युद्ध न होना ही शांति है। लेकिन दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां युद्ध नहीं है तो क्या वहां शांति है... किसी ने कहा कि आवाज का अभाव शांति है... तो क्या आवाज नहीं होना शांति है। दरअसल, जीवन में जैसा आप सोचेंगे वैसे ही अनुभव करेंगे। वैसा ही हमारा जीवन होगा। लेकिन जो मन की शांति है, वो बाहर नहीं मिलेगी। इसीलिए कहा जाता है कि अंदर शांति है तो बाहर शांति।

सही मायने में शांति मन की स्थिति है। शांति आत्मा का स्वभाव है। आत्मा का स्वधर्म शांति। जहां आत्मा अपने स्वधर्म को महसूस करती है, वहां शांति व्याप्त होती है। हर चीज का अपना स्वभाव होता है। प्रकृति का अपना स्वभाव है। जैसे हवा का स्वभाव वेग है। जल का स्वभाव शीतलता है। आत्मा का स्वभाव स्वभावतः शांति है। इसी कारण हर कोई शांति चाहता है। हम अपने कर्म और स्वभाव के अनुसार शांति की इच्छा रखते हैं, क्योंकि यह हर किसी का मूल स्वभाव है। शांति का अनुभव किया जा सकता है और इसे ध्यान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। पहले हम अपनी आत्मा को पहचानें कि मैं कौन हूं। मैं वही हूं जिसका स्वभाव शांति है। निस्संदेह, ये संसार एक मुसाफिरखाना है।

हमारे जीवन का लक्ष्य हो कि न दुख दो न दुख लो। ये आत्मा का ट्रीटमेंट है। शांति से संतुलित करुणामय समाज का निर्माण होगा। हमें नफरत की आग को बुझाना है। शांति का सपना सजाना है हमें। लेकिन आत्मा की शान है शांति की अनुभूति। आज वैश्विक आवश्यकता है शांति। युद्ध के बादल पूरी दुनिया में छाये हुए हैं। निस्संदेह, हमारे जीवन से दूसरों के जीवन में शांति आएगी। लेकिन आज हम अपने स्वधर्म को भूल गए हैं। उच्च आत्मा का स्वधर्म शांति है। जब हम स्वधर्म में स्थापित हो जाएंगे तो शांति आ जाएगी। जीवन में सुख-शांति अनुभव करेंगे। हमें अपने को शांति स्वरूप बनाना है।

वर्तमान समय में दुनिया में कई जगह युद्ध चल रहे हैं। लेकिन समाज व परिवार में भी किसी प्रकार का कोई संघर्ष है वो समाप्त हो। मनुष्य के जीवन व परिवार में शांति हो। जीवन में प्रगति तभी संभव है जब वहां शांति हो। जब आपका मन शांत होता है, तो आपकी निर्णय क्षमता स्पष्ट हो जाती है। शांत मन में बुद्धि में रचनात्मकता और श्रेष्ठ संकल्प उत्पन्न होते हैं। शांत स्वभाव दूसरों पर भी प्रभाव डालता है। विश्व शांति के साथ-साथ हमारे मन में भी शांति होना आवश्यक है। हम सभी की सोच श्रेष्ठ हो। सकारात्मक सोच हो। हमारे हर कार्य में शांति का संदेश हो। ऐसा जीवन का लक्ष्य हो कि शांति व्यापक हो जाए।

शांति के लिए अपने अंदर झांकिए मैं कौन हूं। मैं क्यों इस दुनिया में आया हूं। मुझे क्या करना है। मुझे कहां जाना है। आपको भीतर से जवाब मिलेगा कि मैं एक आत्मा हूं। एक सूक्ष्म ज्योति हूं। हम जीवन में जो कार्य करते हैं वो हमारा अभिनय मात्र है। यह दुनिया हमारा कर्म क्षेत्र है। हमारा निवास पांच तत्वों से निर्मित शांति का धाम है। मन और बुद्धि से हम उसी धाम में पहुंच जाएं। तब असीम शांति मिलेगी, क्योंकि हमारी आत्मा शांति स्वरूप है। संसार में हर आत्म शांति का अनुभव करें। तब यह संसार सुख शांति से संपन्न हो जाएगा।

हम सबको सुख देने का प्रयास करें। कर्मक्षेत्र में सोच श्रेष्ठ है तो जीवन श्रेष्ठ होगा। जीवन में आनंद से रहें। श्रीकृष्ण की मुरली ने दुनिया में शांति का संदेश फैलाया। बंधुत्वता में शांति का संदेश निहित है ।

शांति वो नहीं जो शांति की स्मृति है। तूफान में भी शांति बनाये रखें। ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी हम शांति स्थापित कर सकें। अपने जीवन में शांति को अनुभव करते हुए दूसरों को शांति दें। हम व्यक्तिगत जीवन से शुरुआत करें। स्वार्थ, क्रोध, अविश्वास आदि अशांति का कारण बनता है। साधन सुविधा जुटाकर शांति जुटाने का प्रयास निरर्थक है। जैसे धन से किताब खरीद सकते हैं ज्ञान नहीं। धन से बिस्तर मगर नींद नहीं खरीदी जा सकती है। हम साधन तो खरीद सकते हैं। शांति नहीं खरीद सकते। लेकिन आज सब कुछ तो है तो शांति नहीं है। धर्म की शरण में हम शांति के लिए जाते हैं। आज धर्म का स्वरूप कट्टरता हो गया है। हम सबके भीतर आत्मा एक है। उसका धर्म शांति है। आत्मा आनन्द स्वरूप, सुख स्वरूप, प्रेम स्वरूप है। सभी धर्म शांति का संदेश देते हैं। वसुधैव कुटुंबकम ? का संदेश दुनिया को एक सूत्र में बांधता है।

अशांत दुनिया में आध्यात्मिक साधना से अनियंत्रित इच्छाएं रोकी जा सकती हैं। हम तनाव, चिंता भय से अशांत होते हैं। ज्ञान व योग से शांति मिलती है। शांत स्वरूप का अभ्यास करें। आत्मचिंतन से सकारात्मकता के विचार से हम मन को चैतन्य बनायें। जब हम मन से अशांत होते हैं तो परमात्मा को याद करते हैं। हम प्रत्येक दिन परमात्मा को याद करके अपने मन को शांति की स्थिति में ला सकते हैं। विपरीत स्थिति में हम शांति का अनुभव नहीं कर पाते। हम शांत की मनस्थिति में हैं तो समाज में योगदान दे सकते हैं। हम समाज में जो दे रहे हैं, उससे हम समाज की मानसिकता में परिवर्तन ला सकते हैं।

'ई-ऑफिस का विस्तार: छग की प्रशासनिक कार्यसंस्कृति में डिजिटल क्रांति का आगाज'

नितेश चक्रधारी, सहायक जनसंपर्क अधिकारी, रायपुर

छत्तीसगढ़ में 'ई-ऑफिस' (e-Office) प्रणाली सरकारी कामकाज में पारदर्शिता, गति और जवाबदेही लाकर सुशासन (Good Governance) का नया सवेरा लेकर आई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में, यह डिजिटल पहल भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस और सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। फाइलों का डिजिटल होना फाइलों में हेराफेरी की गुंजाइश को लगभग खत्म कर देता है, जिससे शासन में पारदर्शिता आती है। कागजी फाइलों के भौतिक परिवहन में लगने वाला समय बचता है, जिससे फाइलें तेजी से आगे बढ़ती हैं और निर्णय जल्दी लिए जाते हैं।

डिजिटल तकनीक आज केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शासन की कार्यप्रणाली को नया आयाम दे रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया विजन और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के संकल्प को साकार करते हुए राज्य में ई-ऑफिस प्रणाली प्रशासनिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बन चुकी है।

फाइलों के अंबार से डिजिटल रफ्तार तक

छत्तीसगढ़ में अब शासकीय दफ्तरों की तस्वीर बदल रही है। वह दौर बीत रहा है जब कार्यालयों में धूल खाती फाइलों के ढेर और कछुआ गति से चलने वाली प्रक्रियाएं सामान्य मानी जाती थीं। अब डिजिटल फाइलों के माध्यम से कार्यों में न केवल तेजी आई है, बल्कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता भी सुनिश्चित हुई है।

सक्ती जिला रहा अव्वल

ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन से राज्य ने डिजिटल गवर्नेंस में नए मानक स्थापित किए हैं। व्यापक नेटवर्क के तहत प्रदेश के 87 हजार 222 से अधिक अधिकारी-कमर्चारी इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ चुके हैं। अब तक 5 लाख 46 हजार 903 से अधिक फाइलों का सफल डिजिटल संचालन किया गया है। 30 अप्रैल 2026 की स्थिति में प्रदेश का 33 वां जिला सक्ती 15 हजार 735 फाइलों के डिजिटल संचालन के साथ राज्य में अग्रणी रहा है।

ई-ऑफिस के प्रमुख लाभ

ऑनलाइन फाइल ट्रैकिंग की सुविधा से अब यह जानना आसान है कि कौन सी फाइल किस अधिकारी के पास कितने समय से लंबित है। इससे कार्य के प्रति जवाबदेही बढ़ी है। कुशल निर्णय प्रक्रिया सचिवालय से लेकर जिला स्तर तक फाइलों की आवाजाही त्वरित होने से निर्णय लेने की प्रक्रिया व्यवस्थित और समयबद्ध हुई है। कागज के उपयोग में भारी कमी आने से यह प्रणाली पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा योगदान दे रही है। डिजिटल संधारण (र३ङ्ग१ि) के कारण दस्तावेजों के फटने, खोने या खराब होने का डर खत्म हो गया है और भंडारण की समस्या भी सुलझ गई है।

प्रशिक्षण और तकनीकी मजबूती

किसी भी नवाचार की सफलता उसके उपयोगकर्ताओं पर निर्भर करती है। इसी उद्देश्य से राज्य शासन ने अधिकारी-कमर्चारियों के लिए चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इस व्यवस्था को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने में एनआईसी (ठकड) और चिप्स (उळढर) की टीमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

भविष्य की राह पूर्णत : डिजिटल प्रशासन

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का लक्ष्य आगामी समय में समस्त शासकीय पत्राचार को शत-प्रतिशत ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित करना है। यह बदलाव केवल एक तकनीकी सुधार नहीं है, बल्कि यह नागरिक-केंद्रित प्रशासन की ओर बढ़ता एक ठोस कदम है। ऑफिस ने यह सिद्ध कर दिया है कि तकनीक का सही समन्वय प्रशासन को प्रभावी और जनोन्मुखी बना सकता है। छत्तीसगढ़ का यह मॉडल आने वाले समय में सुशासन की एक नई और आधुनिक परिभाषा लिखने के लिए तैयार है।

देखो झालमुड़ी का जलवा, कर दिया कमाल

झालमुड़ी का कमाल देखिए बंगाल की शेरनी कही जानेवाली ममता दीदी की दहाड़ भी उसके सामने फीकी पड़ गयी। बल्कि अब तो कहा जा रहा है कि दहाड़ कहां रही, अब तो सिसकियां बची हैं। वैसे तो विरोधी भाजपा पर अकूत धनबल का आरोप लगाते नहीं थकते, लेकिन कहा जा रहा है कि बंगाल में उसे चुनाव तो दस रुपये की झालमुड़ी ने ही जिताया। खैर, झालमुड़ी को अब देश में वही सम्मान प्राप्त हो सकता है जो कई वर्ष से बुलडोजर को हासिल है। फिर चाहे बुलडोजर के सामने उसकी स्थिति हाथी के सामने चींटी वाली ही क्यों न हो। झालमुड़ी का कमाल देखो कि बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता दीदी की दहाड़ भी उसके सामने फीकी पड़ गयी। बल्कि अब तो कहा जा रहा है कि दहाड़ कहां रही, अब तो सिसकियां निकल रही हैं।

कुछ लोग बंगाल में भाजपा की जीत का श्रेय झालमुड़ी के साथ ही साथ मछली भक्षण को भी दे रहे हैं। अब जाहिर है कि मछली भक्षण का झालमुड़ी से तो कोई मुकाबला नहीं हो सकता। क्योंकि झालमुड़ी तो खायी थी प्रधानमंत्रीजी ने और मछली खायी अनुराग ठाकुर ने। ऐसे में खुद अनुराग ठाकुर ही यह मुकाबला नहीं चाहेंगे। बल्कि वे इस मुकाबले को विरोधियों की साजिश भी करार दे सकते हैं। यार, यह लोग नहीं बनने देंगे मंत्री! खैर, रविकिशन बंगालियों को चार गुना ज्यादा मछली खिलाने का वादा कर गए। डर यही है कि कहीं इस वादे को भी पंद्रह लाख वाले वादे की तरह जुमला ही न करार दे दिया जाए।

जो भी हो, भाजपा और तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला तो खूब हुआ, लेकिन ममता दीदी और हिमंता बिश्व शर्मा के बीच का वह मुकाबला नहीं हुआ, जिसमें हिमंता ने ममता दीदी को यह चुनौती दी थी कि वह ममता दीदी के सामने बैठकर उनसे एक किलो ज्यादा मछली खा जाएंगे। एक जमाने में नेताओं में मुकाबला यह होता था कि कौन ज्यादा सादा जीवन जीता है, फिर मुकाबला यह होने लगा कि कौन ज्यादा घोटाला करता है और अब मुकाबला यह होने लगा है कि कौन ज्यादा खाएगा। एक मोदीजी हैं जो यह कहते-कहते थक गए कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा। वे दस रुपये की झालमुड़ी खाकर काम चला रहे हैं और एक हिमंता बिश्व शर्मा हैं कि मुकाबले की चुनौती दे रहे हैं कि वे अच्छी से अच्छी और महंगी से महंगी मछली भी ममता दीदी से एक किलो ज्यादा खा सकते हैं।

अच्छी बात यह है कि अब चुनाव झालमुड़ी, मछली भक्षण तथा फुटबाल वगैरह पर होने लगे हैं, वरना तो साहब एक जमाना वह भी था, जब चुनाव भूख, गरीबी और बेरोजगारी पर होता था। फिर वह बिजली, सड़क और पानी पर होने लगा-जिसे बीएसपी कहा जाता था। फिर एक वक्त वह भी आया जब मोदीजी चुनावी मुद्दे के रूप में विकास को लेकर आए। लेकिन अब इन सब मुद्दों का कोई मतलब नहीं। झालमुड़ी खाओ, मछली खाओ। राज करो! नहीं क्या?

प्रोजेक्ट और पेटेंट बन गए करिअर की नींव

डॉ. मनु मिधा

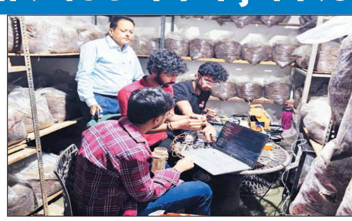

सही मायने जो छात्र अपने ज्ञान को नवाचार और व्यावहारिक उपलब्धियों के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं, वे न केवल नियोक्ताओं को बल्कि समाज को भी यह बताते हैं कि भारत का युवा केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि समाधानकर्ता और निर्माता है। आज के प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक और व्यावसायिक परिवेश में केवल डिग्री प्राप्त करना किसी छात्र की योग्यता का पर्याप्त प्रमाण नहीं माना जाता। नियोक्ता अब ऐसे युवाओं की तलाश में हैं जो न केवल पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान से परिचित हों, बल्कि वास्तविक जीवन की जटिल समस्याओं को सुलझाने की दृष्टि व क्षमता भी रखते हों।

हाल ही में बी.टेक के कुछ प्रतिभाशाली छात्रों की एक प्रेरणादायक कहानी सामने आई, जिन्होंने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। एक अत्याधुनिक कृषि-तकनीक परियोजना और एक पेटेंटेड जूते का डिजाइन और इन्हीं उपलब्धियों ने उनके करिअर का मार्ग प्रशस्त किया। पहली उपलब्धि थी एक अनूठी कृषि-तकनीक परियोजना, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) को मशरूम की व्यावसायिक खेती के साथ जोड़ा गया। मशरूम की खेती एक अत्यंत संवेदनशील प्रक्रिया है, जिसमें तापमान, आद्रर्ता, प्रकाश व वायु संचरण का सटीक नियंत्रण अनिवार्य होता है। यह कार्य पूरी तरह मानवीय श्रम पर निर्भर था, जिससे न केवल उत्पादन लागत बढ़ती थी, बल्कि मानवीय चूक से फसल खराब होने का जोखिम भी रहता था।

इन छात्रों ने आईओटी सेंसर्स, स्वचालित एक्चुएटर्स और एआई आधारित डेटा विश्लेषण को मिलाकर एक ऐसा स्मार्ट सिस्टम विकसित किया, जो मशरूम फार्म की पर्यावरणीय परिस्थितियों की रियल-टाइम निगरानी करता है और आवश्यकतानुसार स्वतः समायोजन करता है। इस प्रणाली की उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि इसने मशरूम उत्पादन में मैन्युअल हस्तक्षेप को पचास प्रतिशत तक कम किया। यानी आधी मेहनत, आधी लागत और दोगुनी दक्षता। परियोजना ने न केवल स्थानीय किसानों की उत्पादकता में सुधार का मार्ग दिखाया, बल्कि बताया कि आधुनिक तकनीक कृषि क्षेत्र में किस प्रकार क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

इस प्रोजेक्ट के दौरान छात्रों ने गहन शोध किया, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन पाया और तकनीकी बाधाओं को पार कर एक कायर्शील प्रोटोटाइप तैयार किया। परियोजना केवल एक शैक्षणिक अभ्यास नहीं थी—वरन वास्तविक समस्या का वास्तविक समाधान था, जो उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप था व किसानी जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने में सक्षम था।

इसके समानांतर, इन छात्रों ने एक बिल्कुल भिन्न क्षेत्र में भी अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। उन्होंने एक विशेष जूते के तलवे का डिजाइन तैयार किया, जो एड़ी की समस्याओं जैसे प्लांटर फेसाइटिस, हील स्पर और दीघर्कालिक एड़ी दर्द से पीड़ित लोगों को अधिकतम आराम और राहत प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह महज एक फुटवियर उत्पाद नहीं, बल्कि स्वास्थ्य-केंद्रित इंजीनियरिंग समाधान है।

इस डिजाइन में बायोमेकेनिकल सिद्धांतों का उपयोग करते हुए एड़ी पर पड़ने वाले दबाव को समान रूप से वितरित किया गया है, जिससे चलने-फिरने के दौरान दर्द में खासी कमी आती है। इस डिजाइन की मौलिकता और व्यावसायिक संभावनाओं को देखते हुए छात्रों ने इसके लिए पेटेंट आवेदन दाखिल किया। पेटेंट प्राप्त करना किसी भी इंजीनियरिंग छात्र के लिए एक असाधारण उपलब्धि है, जो आधिकारिक प्रमाण है कि उनका विचार मौलिक, उपयोगी और संरक्षण के योग्य है। इस पेटेंट ने न केवल उनके बौद्धिक योगदान को मान्यता दी, बल्कि उनके रिज़्यूमे को एक ऐसी विशिष्टता प्रदान की, जो किसी भी परीक्षा में अर्जित अंकों से अधिक प्रभावशाली थी।

जब ये छात्र नौकरी के लिए साक्षात्कार देने पहुंचे, तो उनके रिज़्यूमे ने साक्षात्कारकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। सामान्यतः फ्रेशर्स से शैक्षणिक ज्ञान की ही अपेक्षा की जाती है, परंतु इन छात्रों के पास इससे कहीं अधिक था—एक सिद्ध परियोजना, जिसने कृषि क्षेत्र में पचास फीसदी श्रम कम किया, और एक पेटेंटेड आविष्कार जो लाखों लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखता था। साक्षात्कार के दौरान उन्होंने अपनी परियोजना की तकनीकी कार्यप्रणाली, विकास के दौरान आई चुनौतियों व समाधान के बारे में विस्तार से बताया।

कंपनियों के प्रतिनिधियों ने महसूस किया कि ये युवा न केवल सैद्धांतिक रूप से सक्षम हैं, बल्कि व्यावहारिक समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान ढूंढ़ने की दुर्लभ प्रतिभा भी रखते हैं। उनकी इस बहुआयामी क्षमता— जो एआई और आईओटी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से लेकर उत्पाद डिजाइन और बौद्धिक संपदा तक फैली हुई थी, ने उन्हें हजारों अन्य उम्मीदवारों की भीड़ में स्पष्ट रूप से अलग और विशिष्ट बना दिया। परिणामस्वरूप, उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों से आकर्षक जॉब ऑफर प्राप्त हुए और उन्होंने एक उज्ज्वल करिअर की नींव रखी।

निस्संदेह, यह प्रेरक उदाहरण हर उस छात्र हेतु महत्वपूर्ण संदेश है जो अपने करिअर को लेकर गंभीर हैं। खासकर सीएसई, आईटी, ईसीई, मैकेनिकल और सिविल इंजीनियरिंग के विद्यार्थी समझें कि परीक्षाओं में अच्छे अंक लाना तो आवश्यक है, किंतु यही सब कुछ नहीं है। नौकरी बाजार में वही छात्र आगे निकलते हैं जो अपनी पढ़ाई के साथ-साथ नवाचार, शोध और व्यावहारिक कार्यों में भी हाथ आजमाते हैं। एक सशक्त प्रोजेक्ट और एक पेटेंट केवल कागज की उपलब्धियां नहीं हैं — ये छात्र की चिंतन, समस्या-समाधान की क्षमता और उद्यमशीलता की भावना के जीवंत प्रमाण हैं।

विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों के लिए सर्वे कर आवास स्वीकृत व 21 हजार आवास पूर्ण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य शासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवारों के लिए केंद्र प्रवर्तित पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत अब तक राज्य में सर्वे कर 33 हजार से अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से लगभग 21 हजार आवास पूर्ण भी हो चुके हैं। ऐसे हितग्राही जो पूर्व में छूट गए थे, उनके लिए भारत सरकार से विशेष आग्रह कर राज्य शासन द्वारा विशेष अनुमति प्राप्त कर उनका पुन: सर्वे कार्य जारी है, जो एक-दो दिनों में पूर्ण हो जाएगा। सर्वे पूर्ण होते ही पात्र हितग्राहियों को तत्काल आवास स्वीकृत किए जाएंगे।

सोशल मीडिया में एक वायरल वीडियो के संबंध में जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर ने स्पष्ट किया कि समाधान शिविर के दौरान एक हितग्राही जो विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार से आते हैं अपना आवेदन लेकर शिविर में आये थे। उनका परिवार पूर्व में छत्तीसगढ़ में निवास नहीं कर रहा था, वे उड़ीसा में ही रह रहे थे। जिसके कारण वर्ष 2011 एवं वर्ष 2018 की आवास सर्वे सूची में उनके परिवार को शामिल नहीं किया जा सका था, हाल में वर्ष 2024 में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कराए गए नवीन सर्वेक्षण के दौरान भी उक्त परिवार ग्राम में निवासरत नहीं था, तब वे उड़ीसा में निवास कर रहे थे और पिछले कुछ दिनों पूर्व ही वे छत्तीसगढ़ आये थे। उसके वापस लौटने के बाद उनके परिवार का सर्वे पीएम जनमन योजना के तहत पूर्ण कर लिया गया है और उसे शीघ्र ही आवास स्वीकृत कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जिले में पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। पीएम जनमन के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के जिले में अलग अलग बसाहटों में निवासरत होने के कारण बार बार सर्वे कराकर हितग्राहियों को जोड़ने का कार्य भी किया गया है। ऐसे परिवार जिनका पूर्व में सर्वे नहीं हुआ था, ऐसे शेष पात्र परिवारों हेतु सर्वेक्षण पूर्ण कर सूची तैयार कर ली गई है तथा भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त होने की प्रतीक्षा है।

जिला प्रशासन द्वारा सभी पात्र परिवारों को नियमानुसार योजना का लाभ उपलब्ध कराने हेतु सतत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उड़ीसा में होने के कारण उक्त परिवार का राशन कार्ड एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज भी अपूर्ण थे, जिसे अधिकारियों द्वारा तत्परता दिखाते हुए समाधान शिविर में ही बनाने का कार्य किया गया। जहां उनका राशन कार्ड एवं मनरेगा जॉब कार्ड तत्काल बनाया गया तथा आयुष्मान कार्ड के लिए भी कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है। इसके साथ ही उन्हें आश्वस्त किया गया कि शासन प्रशासन हर कदम पर आपके साथ है।

ई-फार्मेसी के विरोध में रायपुर के दवा विक्रेताओं ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

20 मई को बंद रहेंगी रायपुर की मेडिकल दुकानें, अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री और कॉरपोरेट प्राइसिंग पर जताई नाराजगी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर में 20 मई को मेडिकल दुकानें बंद रहेंगी। रायपुर जिला दवा विक्रेता संघ ने ई-फार्मेसी और मूल्य नीति के विरोध में एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद का समर्थन करते हुए सोमवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

12.40 लाख विक्रेताओं का प्रतिनिधित्व

संघ के अध्यक्ष विनय कृपलानी और सचिव संजय रावत ने बताया कि बंद का आह्वान ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने किया है। यह संगठन देशभर के 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट्स और वितरकों का प्रतिनिधित्व करता है।

छोटे दुकानदारों पर संकट

संघ ने कहा कि अनियंत्रित ई-फार्मेसी संचालन, कॉरपोरेट्स की प्रिडेटरी प्राइसिंग और भारी छूट की नीति से छोटे व मध्यम दवा विक्रेताओं के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। बिना वैध पर्चे के दवाओं की बिक्री, नकली प्रिस्क्रिप्शन, एंटीबायोटिक का दुरुपयोग और गलत भंडारण से जनस्वास्थ्य पर खतरा बढ़ रहा है।

कोविड काल की अधिसूचना पर आपत्ति

ज्ञापन में कहा गया कि कोविड-19 के दौरान जारी अधिसूचना ऋृर.फ 220(ए) अब अप्रासंगिक है, पर उसका दुरुपयोग हो रहा है। इससे ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियमों के सुरक्षा प्रावधान

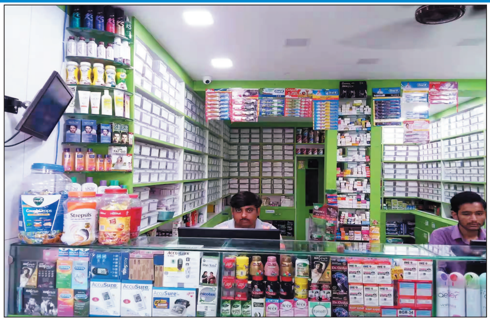

कमजोर हो रहे हैं। संघ ने इस अधिसूचना और G.S.R. 817(ए) को तुरंत वापस लेने की मांग की।

जांच अभियान पर नाराजगी

औषधि विभाग के पखवाड़ेभर के जांच अभियान पर भी विक्रेताओं ने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि नियामकीय ढिलाई के कारण अव्यवस्था बढ़ी है।

दवा विक्रेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार से जनस्वास्थ्य की सुरक्षा और लाखों व्यापारियों की आजीविका बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है। संघ ने चेताया कि अनियमितताएं नहीं रुकीं तो पारंपरिक दवा वितरण तंत्र पर गहरा असर पड़ेगा।

बड़े भाई को फावड़ा से हमला, छोटा भाई गिरफ्तार

भिलाई। घरेलू विवाद के कारण बड़े भाई को फावड़ा से हमला कर छोटे भाई ने मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि रूआबांधा स्थित मायानगर एचएससीएल कॉलोनी निवासी अशोक यादव और उसका छोटा भाई मनोज यादव दोनों मजदूरी का काम करते थे। दोनों के मध्य घरेलू बातों को लेकर अक्सर विवाद हुआ करता था। रविवार 10 मई की शाम अशोक और मनोज के बीच विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि घर में रखे फावड़े से मनोज ने अशोक पर घर में रखे फावड़े से हमला कर दिया। घटना में अशोक गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले में अशोक गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। डॉयल 108 एंबुलेंस की मदद से अशोक को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत को देख रायपुर रेफर किया गया. परिजन और मेडिकल टीम उसे रायपुर लेकर जा रही थी तभी रास्ते में ही अशोक ने दम तोड़ दिया।

खास खबर

नंदनी रोड तेल्हा नाला की सफाई न होने से हर साल जलभराव, शिवसेना ने निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वार्ड क्रमांक 40 नंदनी रोड स्थित करुणा हॉस्पिटल के पास तेल्हा नाले की सफाई न होने से बरसात में जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। शिवसेना ने नगर निगम भिलाई के आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर नाले की मशीन से सफाई कराने की मांग की है।

हर साल डूबते हैं घर, एक बच्ची की हो चुकी मौत

ज्ञापन में बताया गया कि यह शहर का मुख्य और बड़ा नाला है। इससे खुर्सीपार, छावनी, संतोषी पारा और नंदनी रोड के लोगों को हर बरसात में परेशानी होती है। पुलिया की सफाई ठीक से नहीं होती। जोन 3 और जोन 4 की सफाई टीम आती है, पर सफाई नहीं हो पाती।

करुणा हॉस्पिटल के पास पुलिया के नीचे 5 से 7 हाईवा गंदगी और जलकुंभी महीनों से अटकी है। पाइप लाइन में कचरा जाम होने से पानी निकासी बाधित होती है। बरसात में घरों में गंदा, बदबूदार पानी घुस जाता है। जहरीले जीव-जंतु घरों में आ जाते हैं और लोग संक्रामक बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं। छावनी की सड़कें पानी में डूब जाती हैं। शिवसेना ने बताया कि पहले जल प्रलय में मोहल्ले की 3 वर्षीय बच्ची की मौत भी हो चुकी है। ज्ञापन के अनुसार पहले नाले की चौड़ाई 60 फीट थी, पर कई जगह सकरा हो गया है। एक घंटे की बारिश में ही नाला उफान पर आ जाता है। शिवसेना ने मांग की है कि नंदनी रोड पुलिया की मशीन से सफाई कराई जाए और लेबर गैंग लगाकर दूषित पानी की निकासी सही तरीके से हो। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, भिलाई जिला अध्यक्ष राजू गुप्ता, सचिव संतोष यादव, रमेश सिंह, सुनील सोनी, अमित कुमार, चिन्ना राव और प्रभावित मोहल्ले के लोग शामिल थे।

बीजापुर में नक्सलियों का बीजीएल लांचर समेत विस्फोटक सामान जब्त

बीजापुर। नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में गंगालूर थाने की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने भारी मात्रा में नक्सली डंप बरामद किया है, जिसमें बैटरी और विस्फोटक सामग्री शामिल है। यह पूरा मामला गंगालूर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि डोडीतुमनार के पहाड़ी में बंकर बनाया गया है, जिसमें कई घातक हथियार है। सूचना के बाद एक्शन में आई टीम ने मौके पर दबिश देते हुए नक्सली डंप को बरामद किया। वहीं पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

महिला नक्सली ने जगदलपुर में किया सरेंडर

छत्तीसगढ़ में माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है, जगदलपुर में महिला नक्सली ने सरेंडर कर दिया है। बताया जा रहा है कि आत्मसमर्पण करने वाली नक्सली लक्ष्मी छत्तीसगढ़-आंध्र-तेलंगाना बॉर्डर पर सक्रिय थी। जिस पर राज्य सरकार द्वारा 5 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया कि सरकार की पुर्नवास नीति से प्रभावित होकर लक्ष्मी ने लाल आतंक का रास्ता छोड़ने का निर्णय लिया। आत्मसमर्पण के दौरान अधिकारियों ने उसे पुनर्वास सहायता राशि भी सौंपी। छत्तीसगढ़ में मुख्य पुनर्वास नीति का संबंध नक्सल हिंसा पीड़ितों और आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास से है। मार्च 2025 में लागू नई नीति के तहत, सरकार आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए वित्तीय सहायता, आवास, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सनातन संस्कृति को मिला नया गौरव : सीएम साय

75 वर्ष पूर्व आज ही के दिन सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण का कार्य हुआ था पूरा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं के साथ गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से वर्चुअली जुड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई पूजा - अचर्ना का अवलोकन कर उनका संबोधन सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान सोमनाथ मंदिर के स्वर्णिम इतिहास, विदेशी आक्रांताओं द्वारा किए गए हमलों, मंदिर के पुनरनिर्माण यात्रा, वर्तमान सरकार द्वारा किये जा रहे आस्था के केंद्रों का संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प सहित विभिन्न विषयों पर अपनी बातें देशवासियों से साझा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेशवासियों को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 75 वर्ष पूर्व आज ही के दिन सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण का कार्य पूर्ण हुआ था और इसी ऐतिहासिक अवसर को देशभर में स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर अनेक बार बाहरी आक्रांताओं द्वारा हमले किए गए, लेकिन मंदिर की आस्था और परंपरा को समाप्त नहीं किया जा सका। श्री साय ने कहा कि पहली बार आक्रमण के दौरान मंदिर के पुजारियों और श्रद्धालुओं ने मंदिर नहीं छोड़ा तथा अपने प्राणों का बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका त्याग आज भी इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

श्री साय ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के बाद तत्कालीन गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि उस समय देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने तमाम विरोधों के बावजूद सोमनाथ मंदिर पहुंचकर पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लिया था। श्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को नया गौरव मिला है। उन्होंने कहा कि आज देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों का विकास तेजी से हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बनारस के काशी विश्वनाथ, उज्जैन स्थित महाकाल से लेकर सोमनाथ मंदिर तक व्यापक विकास कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री साय मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में देवी माताओं के मंदिरों को शक्तिपीठ योजना के माध्यम से विकसित किया जा रहा है। इसी तरह कबीरधाम जिले में स्थित भोरमदेव महादेव मंदिर को स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 148 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है और यहां पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मभूमि और भगवान श्रीराम का ननिहाल है।

सनातनियों के लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या के मंदिर में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 40 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं और यह योजना लगातार जारी है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में सभी लोगों से भाईचारे, सामाजिक समरसता और राष्ट्र की एकता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में सनातन संस्कृति और आस्था केंद्रों के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य लगातार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे मुखिया भी प्रदेश में धार्मिक स्थलों के संरक्षण के साथ ही विभिन्न योजनों के माध्यम से लोगों को आस्था से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सोमनाथ मंदिर देश की संस्कृति, वैभव और स्वाभिमान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नक्सल उन्मूलन के बाद पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास को नई गति मिली है।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि सोमनाथ मंदिर सनातनियों के आस्था का बड़ा केंद्र है। उन्होंने कहा कि हजार वर्षों के इतिहास में अनेक आक्रमणों के बावजूद सनातन संस्कृति की आस्था को कोई डिगा नहीं पाया है और न कभी ऐसा होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर पहुँचे। उन्होंने भगवान शिव की पूजा अचर्ना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक पुरन्दर मिश्रा, छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नया श्रम कानून लागू, बीएकेएस ने सेल चेयरमैन से की कार्य समिति गठन की मांग

एनजेसीएस की जगह निर्वाचित यूनियन प्रतिनिधियों वाली 20 सदस्यीय समिति बनाने की अपील

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

केंद्र सरकार ने 8 मई को भारत के राजपत्र में नई श्रम संहिता अधिसूचित कर दी है। इसके तहत सभी पुरानी द्विपक्षीय कमेटियों की जगह प्रबंधन और कर्मचारियों की कार्य समिति गठित की जाएगी। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष रणधीर कुमार ने सेल चेयरमैन, इस्पात सचिव, श्रम सचिव और मुख्य श्रमायुक्त को पत्र लिखकर एनजेसीएस की जगह कार्य समिति बनाने की मांग की है।

कार्य समिति की संरचना

नए कानून के तहत कार्य समिति में कुल 20 सदस्य होंगे। प्रबंधन और यूनियन के प्रतिनिधि बराबर होंगे। कर्मचारी प्रतिनिधि प्रबंधन से कम नहीं होंगे। महिला कमर्चारियों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना अनिवार्य है। प्रबंधन की ओर से मानव संसाधन जैसे सीधे जुड़े विभागों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

समिति की बैठक हर तीन माह में कम से कम एक बार करनी होगी। अध्यक्ष नियोक्ता या यूनिट हेड होगा। सेल स्तर पर चेयरमैन और यूनिट स्तर पर निदेशक प्रभारी अध्यक्ष होंगे। उपाध्यक्ष का चुनाव कर्मचारी प्रतिनिधियों में से होगा। सचिव और संयुक्त सचिव का चुनाव एक साल के लिए होगा। लगातार तीन बैठकों में न आने वाले सदस्य को अयोग्य घोषित किया जाएगा। कर्मचारी प्रतिनिधि बनने के लिए उम्र 19 से 58 वर्ष के बीच होनी चाहिए। बैठक कार्यदिवस में होगी और शामिल कर्मचारी प्रतिनिधियों को ड्यूटी पर माना जाएगा।

एनजेसीएस पर उठाए सवाल

रणधीर कुमार ने कहा कि मौजूदा एनजेसीएस पूरी तरह प्रबंधन परस्त हो गई थी। 25 में से 21 सदस्य गैर निर्वाचित और बाहरी थे। ये सेल प्रबंधन के इशारे पर काम कर रहे थे और एनजेसीएस संविधान का उल्लंघन कर कर्मचारी विरोधी समझौते लागू करवा रहे थे। हैदराबाद, कोलकाता, दिल्ली, बंगलौर, बंबई में बैठे नेता सेल कर्मचारियों के प्रतिनिधि बने हुए थे जो कभी प्लांट में काम नहीं कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अधिसूचित नियमों में कार्य समिति का कायर्काल हटा दिया गया है। पहले ड्राफ्ट में तीन साल का कार्यकाल था। इसका फायदा प्रबंधन और मुखौटा यूनियन उठा सकती हैं।

लंबित मुद्दों के समाधान की मांग

यूनियन ने जल्द सेल कॉर्पोरेट स्तर पर कार्य समिति गठित करने की मांग की है ताकि कर्मचारियों के 100 से अधिक लंबित मुद्दों पर निर्णय हो सके। रणधीर कुमार ने कहा कि प्रस्तावित श्रम कानून में और सुधार जरूरी है ताकि कर्मचारियों के प्रतिनिधि उनके बीच के ही कमर्चारी हों, न कि बाहरी, बुजुर्ग और गैर निर्वाचित नेता। सेल और यूनिट स्तर पर जल्द कार्य समिति का गठन हो ताकि मुद्दों का समाधान हो सके।

उत्पादन खर्च में आगे फिर भी मुनाफे में पीछे: सेल में अधिकारियों की संख्या पर सवाल

भिलाई। सेल का प्रति टन स्टील उत्पादन खर्च टाटा स्टील और जेएसडब्ल्यू से कम है। रॉ मैटेरियल कॉस्ट में सेल जेएसडब्ल्यू और जेएसपीएल से बेहतर स्थिति में है। अन्य खर्च और ब्याज भुगतान में भी सेल टाटा और जेएसडब्ल्यू से आगे है। इसके बावजूद एबिटा अधिक रहने पर भी सेल का पीबीटी और पीएटी टाटा, जेएसडब्ल्यू, जेएसपीएल से कम है।

मैन पॉवर कॉस्ट पर बहस : आंकड़ों के मुताबिक सेल में 1856 जीएम (ए7 ग्रेड), 261 सीजीएम (ए8 ग्रेड) और 61 ईडी व डायरेक्टर कार्यरत हैं। टाटा, जेएसडब्ल्यू और जेएसपीएल तीनों को मिलाकर भी इतने वरिष्ठ अधिकारी नहीं हैं। सेल का मैनपावर कॉस्ट कुल लागत का 12% है। सेल में कुल 11659 करोड़ रुपये मैनपावर कॉस्ट में से 20% अधिकारी, यानी करीब 10000 अधिकारी, कुल मैनपावर कॉस्ट का 45% यानी 5246 करोड़ रुपये लेते हैं। वहीं 80% कर्मचारी, लगभग 40000 कमिर्यों पर 55% यानी 6412 करोड़ रुपये खर्च होता है। यदि अधिकारियों का 5246 करोड़ घटा दिया जाए तो कर्मचारियों पर मैनपावर कॉस्ट कुल लागत का सिर्फ 6.1% रह जाएगा, जो टाटा स्टील से भी कम है।

नीति पर उठे सवाल : जानकारों का कहना है कि यह विफलता पूर्व और वतर्मान सभी बोर्ड मेंबर्स की मैनपावर यूटिलाइजेशन नीति की है। सेल में 72933 ठेका श्रमिकों की बड़ी संख्या भी इसी नीति की कमी को दिखाती है। कर्मचारियों का तर्क है कि मैनपावर कॉस्ट का जिम्मेदार उन्हें बताया जाता है, जबकि बड़ा हिस्सा अधिकारी वर्ग पर खर्च होता है। उत्पादन लागत में बेहतर होने के बाद भी मुनाफे में पिछड़ना प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है।

अहिवारा पीआईसी बैठक : 45 प्रस्ताव पास, सामुदायिक भवन से लेकर सोलर पैनल तक के काम होंगे

सीसी रोड, नाली, डोम शेड निर्माण को मंजूरी, स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी तेज

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

नगर पालिका परिषद अहिवारा की प्रेसिडेंट इन काउंसिल की बैठक सोमवार को अध्यक्ष कक्ष में हुई। इसमें नगर विकास से जुड़े 45 एजेंडों पर चर्चा के बाद सभी प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी गई।

इन विकास कार्यों पर बनी सहमति

वार्ड-3 में सामुदायिक भवन और वार्ड 4, 9, 10 व 12 में डोम शेड बनाए जाएंगे। विभिन्न वार्डो में सीसी रोड, आरसीसी नाली और स्लैब निर्माण की निविदाओं को भी मंजूरी मिली। बैठक में बंद स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, पाइप लाइन व मोटर पंप संधारण, सफाई कर्मचारियों और स्वच्छता दीदियों को पीपीई किट देने का निर्णय हुआ। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारी पर भी जोर दिया गया।

वित्त आयोग से होगा काम, ये भी मंजूर

14वें-15वें वित्त आयोग मद से विकास कार्यों के प्रस्ताव भेजे जाएंगे। पानी टैंकर के लिए नया कंटेनर कैरियर खरीदने, वॉटर एटीएम संचालन, वाहन व मोटर पंप मरम्मत की वार्षिक निविदा जारी करने पर सहमति बनी। वार्ड-12 के पुष्पाटिका गार्डन का पुर्नविकास, कार्यालय में सोलर पैनल स्थापना, अधिकारी-कर्मचारी आवास मरम्मत, पेंशन व परिवार सहायता राशि के आवेदनों को भी स्वीकृति दी गई।

बैठक में अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा, उपाध्यक्ष अशोक बाफना, सीएमओ प्रवीण सिंह गहलोत, उप अभियंता खिलानंद कुल्हारे सहित पीआईसी सदस्य इंद्रजीत राउत, पुरुषोत्तम वर्मा, इंदिरा बंजारे, संतकुमारी ठाकुर, कीर्ति शिवाले

और पुष्पा साहू उपस्थित रहे। नगर पालिका के मुताबिक स्वीकृत कार्यों को जल्द शुरू किया जाएगा, जिससे नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलें।

अहिवारा में शासकीय संपत्तियों पर हमले, चोरी-तोड़फोड़ से हड़कंप, 4500 लोगों की जल आपूर्ति हुई ठप

नंदिनी अहिवारा। नगर पालिका परिषद अहिवारा में शासकीय संपत्तियों पर लगातार चोरी और तोड़फोड़ की घटनाओं से हड़कंप मच गया है। पानी सप्लाई, स्ट्रीट लाइट और सुशासन तिहार शिविर प्रभावित होने के बाद नगर पालिका ने थाना नंदिनी नगर में एफआईआर की मांग की है।

मंगल भवन में चोरी, शिविर में अड़चन : 5 और 6 मई की रात वार्ड-3 स्थित मंगल भवन में अज्ञात तत्वों ने लोहे की खिड़की तोड़कर चोरी की। इससे वहां चल रहे सुशासन तिहार 2026 शिविर के संचालन में दिक्कत आई।

जल आपूर्ति पर असर : वार्ड-12 देवार पारा में प्लास्टिक टंकी और नल-पाइप लाइन तोड़ दी गई, जिससे जल आपूर्ति बाधित हो गई। वहीं 8 और 9 मई की रात वार्ड-12 की पानी टंकी सम्पवेल का 10 एचपी मोटर पंप और मंगल भवन के 5 एचपी व 1 एचपी मोटर पंप के करीब 300 मीटर केबल वायर चोरी हो गए। केबल की कीमत 30 हजार से अधिक है। इससे वार्ड 11, 12 और 13 के लगभग 4500 लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं।

10 खंभों की लाइट गुल : पावर हाउस रोड पर वाहन क्रमांक CG 07 BL 1043 के चालक ने लापरवाही से ट्यूबलर पोल और अंडरग्राउंड केबल तोड़ दिया। इससे 10 खंभों की स्ट्रीट लाइट बंद हो गई और क्षेत्र में अंधेरा छा गया। नगर पालिका ने सभी मामलों में थाना प्रभारी से तत्काल जांच कर आरोपियों पर एफआईआर और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि कलेक्टर दुर्ग, एसपी दुर्ग और नगर पालिका अध्यक्ष को भी भेजी गई है। लगातार घटनाओं से नाराज नगरवासियों ने रात में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा कड़ी करने की मांग की है।

संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म में हुई धनुष की एंट्री!

संजय लीला भंसाली की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि संजय लीला भंसाली की अगली पौराणिक जंगल ड्रामा में साउथ स्टार राम चरण प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि, कोई और साउथ स्टार प्रमुख भूमिका में नजर आएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली के आगामी जंगल पर आधारित भव्य फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। ये संजय लीला भंसाली का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। अब धनुष को इसके लिए फाइनल कर लिया गया है। इसका निर्माण संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जाएगा, जबकि तमिल फिल्म निर्माता पी.एस. मिथ्रन इसका निर्देशन करेंगे। मिथ्रन इरुम्बु थिरई, हीरो और सरदार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। खास बात यह है कि वो धनुष के साथ पहली बार काम करेंगे।

स्क्रिप्ट में कई बार किए गए बदलाव

रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि पी.एस. मिथ्रन 'राउडी राठौर 2' पर काम कर रहे थे, लेकिन चूंकि यह प्रोजेक्ट फाइनल नहीं हो सका, इसलिए उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर विचार करना शुरू किया। तभी इस फिल्म की कहानी सामने आई। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि कहानी को अंतिम रूप देने में कई बार बदलाव और सुधार करने पड़े, जो कुछ महीने पहले ही हुआ था। इसी दौरान उन्होंने मुख्य अभिनेता की तलाश शुरू की। राम चरण से बातचीत चल रही थी, लेकिन बात नहीं बनी, इसलिए धनुष को चुना गया। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है।

धनुष की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष के खाते में कई फिल्में हैं। वह फिलहाल राजकुमार पेरियासामी की 'डी55' की शूटिंग कर रहे हैं, जिसके बाद उनकी अगली फिल्म मारी सेल्वराज की होगी। फिर पचैमुथु तमिलरसन के अगले प्रोजेक्ट और 'वाडा चेन्नई 2' आएगी। उनके खाते में ओम राउत के निर्देशन में बनने वाली पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की बायोपिक भी है। इस बीच उनकी अगली फिल्म विग्नेश राजा की 'कारा' है, जो इस शुक्रवार को रिलीज होने वाली है। वहीं संजय लीला भंसाली रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल स्टारर फिल्म 'लव एंड वॉर' की तैयारी में जुटे हैं।

आमिर खान की 'एक दिन' को ना कहने वाली थीं साई पल्लवी फिर इसलिए बदला अपना फैसला

साउथ की दिग्गज अभिनेत्री साई पल्लवी ने आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'एक दिन' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है। इस फिल्म में वो आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म छह दिनों में कोई खास कमाई नहीं कर पाई है। वहीं क्रिटिक्स से भी फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रियाएं ही हासिल हुई हैं। अब साई पल्लवी ने खुद बताया कि क्यों उन्होंने 'एक दिन' के लिए हां कहा और स्क्रिप्ट में उन्हें क्या चीज पसंद आई।

हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' की वजह से कहा हां

आमिर खान टॉकीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर साई पल्लवी और जुनैद खान का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें दोनों कलाकार अपनी फिल्म 'एक दिन' के बारे में बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान जब जुनैद ने साई से 'एक दिन' को हां करने के फैसले के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा यकीन था कि वह यह फिल्म नहीं करेंगी, क्योंकि वह कई भाषाओं में बड़ी-बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म का पैमाना मुझे प्रभावित नहीं करता। उस समय तक मैंने कई गंभीर फिल्में की थीं और मैं कुछ हल्का-फुल्का करना चाहती थी। ऐसी फिल्म जिसमें मुझे शूटिंग के दौरान और बाद में भी ज्यादा तनाव न झेलना पड़े। इसलिए जब स्क्रिप्ट आई, तो मुझे लगा कि यह हॉलीवुड फिल्म 'बिफोर सनराइज' जैसी होगी। क्योंकि मुझे 'बिफोर सनराइज' पसंद है और मुझे लगा कि यह भी वैसी ही होगी।

फिल्म में अपनी कास्टिंग को गलत मानती हैं साई

साई ने यह भी बताया कि आमिर खान का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना फिल्म को हां कहने का एक बड़ा कारण है। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं आमिर खान के करियर को करीब से देखती आ रही हूं। इसमें अलग-अलग तरह की फिल्में और किरदार हैं। इस दौरान साई ने खुलासा किया कि शुरुआत में मुझा लगा था कि 'एक दिन' में मुझे नहीं होना चाहिए था। मेरी कास्टिंग सही नहीं है। प्रीमियर के बाद जब आमिर ने साई से कुछ कहने को कहा, तो साई ने उनसे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं इस भूमिका के लिए बनी थी और मुझे लगता है कि मेरी कास्टिंग गलत हुई है। मुझे लगता है कि यह भूमिका किसी नई एक्ट्रेस को मिलनी चाहिए थी, जिसमें थोड़ी सी चंचलता हो। हालांकि, जुनैद ने साई के इस विचार से असहमति जताते हुए कहा कि यह भूमिका उनके लिए ही बनी है।

थाई फिल्म का रीमेक है 'एक दिन'

आमिर खान प्रोडक्शन हाउस और मंसूर खान द्वारा प्रोड्यूस्ड 'एक दिन' 2016 में आई थाई फिल्म 'वन डे' का रीमेक है। फिल्म में एक लड़का अपनी कलीग से प्यार कर बैठता है, लेकिन अपने दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं जुटा पाता। वह सिर्फ एक दिन उसके साथ बिताना चाहता है। इसके लिए वो एक प्रतिष्ठित स्थान पर जाकर ये विश मांगता है। फिर कुछ ऐसा होता है कि उसकी यह इच्छा पूरी हो जाती है। 'एक दिन' का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है।

'करुप्पु' में सूर्या के साथ नजर आएंगी तृषा कृष्णन

अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन थलापति विजय के साथ अपने कथित रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच मेकर्स ने उनकी अपकमिंग फिल्म 'करुप्पु' की एक झलक शेयर की है। इसमें त्रिशा कृष्णन का लुक नजर आया है। इस फिल्म में उनके साथ सूर्या अहम किरदार में हैं। मेकर्स ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में तृषा कृष्णन नजर आती हैं। वीडियो देखकर अंदाजा लग रहा है कि तृषा इसमें एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। इसमें उनका नाम प्रीति है।

टीजर में क्या है खास?

हाल ही में, मेकर्स ने सूर्या के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का टीजर शेयर किया। टीजर में, एक्टर को जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस करते हुए देखा गया। टीजर में एक्टर को एक ऐसे इंसान के तौर पर दिखाया गया है, जो स्ट्रीट फाइटिंग में माहिर है और कोर्ट में भी केस जीतना जानता है। फिल्म में उन्हें भी एक वकील के तौर पर दिखाया गया है। इस फिल्म को आरजे बालाजी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। सूर्या के साथ-साथ, फिल्म में इंद्रन्स, नैटी, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी और अन्य कलाकार भी हैं। यह फिल्म 14 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में तृषा थलापति विजय के साथ एक शादी में नजर आईं। इसके बाद वह सुर्खियों में आ गईं। इसकी वजह यह थी कि विजय की पत्नी संगीता ने आरोप लगाया था कि विजय का एक एक्ट्रेस से रिश्ता है। उन्होंने अदालत में इसी आधार पर विजय से तलाक की मांग की है।

इंस्पेक्टर अविनाश 2 में मेरे किरदार की ताकत चुप्पी में छिपा संघर्ष

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस बार उनका किरदार पहले से ज्यादा भावनात्मक रूप से मजबूत दिखने वाला है। इस पर उर्वशी का कहना है कि इस बार उनके किरदार की सबसे बड़ी ताकत 'चुप्पी में छिपा संघर्ष' है। बाहर से शांत दिखने वाले मेरे किरदार के अंदर चल रहा लगातार मानसिक संघर्ष ही उसकी मजबूती है। उर्वशी रौतेला ने अपने किरदार पूनम मिश्रा के बारे में बात करते हुए कहा, ''इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है।'' उन्होंने कहा, ''क्राइम ड्रामा में आमतौर पर लोग सिर्फ हिंसा, ताकत और एक्शन देखते हैं, लेकिन असल कहानी उसके पीछे छिपे डर और अकेलेपन की होती है। मेरे किरदार के भीतर भावनात्मक अकेलापन और खुद को सुरक्षित रखने की लगातार कोशिश दिखाई देती है। मेरा किरदार बाहरी दुनिया से ज्यादा अपने अंदर के डर और संघर्ष से लड़ रहा है। यही वजह है कि इस किरदार को निभाना मेरे लिए एक अलग अनुभव रहा है।'' उर्वशी ने कहा, ''मुझे इस किरदार में सबसे ज्यादा आकर्षित इमोशन्स लगे। वह खुद को रोककर, सोचकर और धैर्य के साथ आगे बढ़ती है। असली ताकत हमेशा जोर से बोलने या लड़ने में नहीं होती, बल्कि कई बार चुप रहकर भी हालात को संभालना सबसे बड़ी ताकत होती है। यही बात इस किरदार को खास बनाती है।'' वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' का पहला सीजन साल 2023 में रिलीज हुआ था, जिसमें मुख्य भूमिका अभिनेता रणदीप हुड्डा ने निभाई थी। यह सीरीज एक सच्ची घटना पर आधारित है और उत्तर प्रदेश के एक तेज-तर्रार पुलिस अधिकारी अविनाश मिश्रा की कहानी दिखाती है, जो राज्य में अपराध को खत्म करने के लिए काम करता है।

'मेरी जड़ें भारत में ही हैं', पति के साथ बैंकॉक शिफ्ट होने पर अविका गौर ने दी प्रतिक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' से लोकप्रिय होने वाली अभिनेत्री अविका गौर शादी के बाद अपने पति मिलिंद चंदवानी के साथ बैंकॉक में शिफ्ट हो गई हैं। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने टेलीविजन या फिल्मों से ब्रेक नहीं लिया है। वो अपना काम करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा कि ये कदम मिलिंद के लिए बेहतर अवसरों को देखते हुए उठाया गया है, जबकि उनके खुद के काम के सिलसिले में मुंबई से बाहर लंबे शेड्यूल तय किए गए हैं।

हम हमेशा एक-दूसरे के करियर में साथ देते हैं

अविका गौर ने कहा कि हम बैंकॉक शिफ्ट हो गए हैं और वहां एक घर भी खरीद लिया है, जिसे मैं अपनी पसंद के हिसाब से सजा रही हूं। पिछले साल शादी से पहले सात साल तक रिलेशनशिप में रहने के दौरान कपल ने हमेशा एक-दूसरे के करियर में सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह मिलिंद ने लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान उनका साथ दिया, उसी तरह वह भी उन्हें विदेश में अवसर तलाशने से रोकना नहीं चाहती थीं। हम हमेशा से एक-दूसरे की तरक्की में सहयोग करने में भरोसा रखते आए हैं। अगर मुझे कोई ऐसा प्रोजेक्ट मिलता है, जिसके लिए मुझे महीनों तक घर से दूर रहना पड़ता है, तो वह पूरी तरह से मेरा साथ देते हैं। इसी तरह मुझे नहीं लगता कि मुझे भी उनकी तरक्की में बाधा डालनी चाहिए।

मैं अपने काम की वजह से यहां हूं

अपने करियर को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर करते हुए अविका ने कहा कि जगह बदलने से उनकी प्रोफेशनल प्रियॉर्टीज में कोई बदलाव नहीं आया है। मुंबई में रहते हुए भी वह अक्सर शूटिंग के लिए हैदराबाद, राजमुंद्री और विशाखापत्तनम जैसे शहरों का सफर करती रहती थीं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे एहसास हुआ कि जरूरी नहीं कि मुंबई ही मेरा ठिकाना हो। मैं काम के सिलसिले में नियमित रूप से भारत आती-जाती रहती हूं। मेरी प्राथमिकता हमेशा मेरी प्रतिबद्धताएं रहेंगी क्योंकि इन्हीं की वजह से मैं आज इस मुकाम पर हूं।

इंडस्ट्री के दोस्तों ने किया समर्थन

अविका ने इस कदम के कारण प्रोजेक्ट छूटने की चिंताओं को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि काम आमतौर पर उनके शेड्यूल के अनुसार ही होता है और सहयोग आपसी प्रयासों पर निर्भर करता है। जब कोई मेरे साथ काम करना चाहता है, तो उसे यह प्रयास करना चाहिए। इंडस्ट्री के मेरे साथियों ने भी मेरे इस फैसले का समर्थन किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि भले ही मेरा ठिकाना अब विदेश में है, लेकिन मेरी जड़ें भारत में ही मजबूती से टिकी हैं। यहां मेरा परिवार रहता है।

'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन में नजर आएंगी अविका

वर्कफ्रंट की बात करें तो अविका गौर जल्द ही 'खतरों के खिलाड़ी' के नए सीजन में नजर आएंगी। जल्द ही इस रियलिटी शो की शूटिंग भी शुरू होने वाली है। इस शो को एक बार फिर निर्देशक रोहित शेट्टी ही होस्ट करेंगे।

खैरागढ़ में आयोजित नेशनल लोक अदालत में 39 हजार से अधिक प्रकरणों का हुआ निराकरण

करोड़ों की अवार्ड राशि हुई पारित

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन में तालुक विधिक सेवा समिति खैरागढ़ द्वारा शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। अदालत में पक्षकारों को भौतिक उपस्थिति के साथ साथ वर्चुअल कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी मामलों के निराकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पूजा-अचर्ना के साथ हुआ। इस दौरान जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मोहनी कंवर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निधि शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी आकांक्षा खलखो अधिवक्तागण पैरालीगल वालंटियर्स और न्यायालयीन कमर्चारी उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत में विभिन्न श्रेणियों के मामलों का आपसी सहमति से निराकरण किया गया।

जिला एवं अपर सत्र न्यायालय में 10 मामलों का निपटारा किया गया जिसमें दावा प्रकरणों में 36 लाख 45 हजार रुपये तथा आर्बिट्रेशन मामलों में 38 लाख 79 हजार 487 रुपये की अवार्ड राशि पारित हुई। वहीं बीएसएनएल से जुड़े प्री-लिटिगेशन मामलों में भी समझौते कराए गए। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में ट्रैफिक चालान के 532 मामलों का निराकरण कर 63 हजार 100 रुपये की राशि जमा कराई गई।

इसके अलावा चेक बाउंस आपराधिक एवं अन्य प्रकरणों में भी पक्षकारों के बीच समझौता कराया गया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय में ट्रैफिक चालान क्रिमिनल कंपाउंडेबल चेक बाउंस तथा अन्य दीवानी मामलों का निराकरण किया गया। कई मामलों में राजीनामा होने से पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिली। राजस्व न्यायालयों में भी बड़ी संख्या में लंबित प्रकरणों का निराकरण किया गया। कुल मिलाकर नेशनल लोक अदालत के दौरान 39 हजार 256 प्रकरणों का निपटारा हुआ और लगभग 3 करोड़ 46 लाख 56 हजार रुपये से अधिक की अवार्ड राशि पारित की गई। लोक अदालत को सफल बनाने में न्यायिक अधिकारियों कर्मचारियों पैरालीगल वालंटियर्स सुलहकर्ता अधिवक्ताओं एवं न्यायालय स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

खास खबर

खाद संकट को लेकर विप्लव का भाजपा पर प्रहार, कहा- किसानों को परेशान कर रही सरकार

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच जिले में खाद की कमी को लेकर कांग्रेस नेता विप्लव साहू ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि किसान खेती की तैयारी में जुटे हैं लेकिन खाद नहीं मिलने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विप्लव साहू ने आरोप लगाया कि खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की अधिकांश सहकारी समितियों में खाद उपलब्ध नहीं है। किसान लगातार सोसायटियों के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उन्हें एक बोरी खाद तक नहीं मिल पा रही है। साथ ही समितियों के पास खाद की आपूर्ति को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि मानसून आने से पहले किसान खेतों की तैयारी में लगे हुए हैं। गांवों में खरीफ फसल को लेकर गतिविधियां तेज हो चुकी हैं लेकिन खाद संकट ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। विप्लव साहू ने खुले बाजार और निजी विक्रेताओं द्वारा खाद वितरण में लागू नियमों पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि किसानों से बी-1, नक्शा और खसरा जैसे दस्तावेज अनिवार्य रूप से मांगे जा रहे हैं जिससे उन्हें अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले से परेशान किसान लंबी कतारों में खड़े होकर खाद लेने मजबूर हैं जबकि सरकार इस समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रही है। श्री साहू ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते सोसायटियों में खाद की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई तो इसका असर खरीफ फसलों की पैदावार पर पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ हल करने की मांग की है।

सोमनाथ अमृत महोत्सव : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव मंदिर में की पूजा अर्चना

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सोमनाथ अमृत महोत्सव कार्यक्रम के वर्चुअल प्रसारण में सम्मिलित होने के लिए भोरमदेव मंदिर परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने भोरमदेव में जलाभिषेक कर पूजा अचर्ना की और जिलेवासियों के सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। इस अवसर पर गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल, रामकिंकर वर्मा, विजय पाटिल, उमंग पाण्डेय, मनीराम साहू, लोकचंद साहू, रूपसिंह धुर्वे, रूपसिंह मरावी, रामजी मरावी, काशीराम उइके, आदित्य श्रीवास्तव, भूखन साहू, हेमचंद्र चंद्रवंशी, मिलूराम साहू, परदेशी पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि ने भी पूजा अचर्ना कर आशीर्वाद लिया।

सुशासन तिहार शिविर में अर्जुनी के गर्भवती तारामती की हुई गोदभराई, मिली सुपोषण किट

महिला व बाल विकास विभाग की पहल : सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सुशासन तिहार 2026 के तहत अर्जुनी में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में ग्राम केसला की गर्भवती महिला तारामती जांगड़े की गोदभराई की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग ने उन्हें सुपोषण किट देकर सुरक्षित मातृत्व का संदेश दिया। शिविर में गर्भवती महिलाओं को सुपोषण किट के साथ पोषण, स्वास्थ्य जांच और गर्भावस्था में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। सुपोषण किट में पौष्टिक आहार से जुड़ी सामग्री शामिल है। तारामती जांगड़े ने बताया कि गर्भावस्था में उचित पोषण माँ और गर्भस्थ शिशु दोनों के लिए जरूरी है। शासन की योजनाओं से समय-समय पर स्वास्थ्य जांच, पोषण सलाह और सहयोग मिल रहा है। सुपोषण किट से संतुलित आहार लेने में मदद मिलेगी।

पांच सदस्यीय परिवार में रहने वाली तारामती ने कहा कि सभी परिजन उनके स्वास्थ्य को लेकर सजग हैं। परिवार को पहले भी इस योजना का लाभ मिल चुका है, जिससे योजना पर भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि समय पर पौष्टिक आहार और देखभाल से माँ-शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। सुशासन तिहार शिविर में इस तरह की सेवाएं ग्रामीण महिलाओं के लिए लाभकारी साबित हो रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग का उद्देश्य उचित पोषण देकर सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु के जन्म को बढ़ावा देना है।

नेशनल लोक अदालत : 2.64 लाख से अधिक प्रकरणों का निपटारा, 3111 करोड़ का समझौता

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में 2 लाख 64 हजार 739 प्रकरणों का निपटारा किया गया। इनमें 31 अरब 11 करोड़ 56 लाख 70 हजार 937 रुपये के समझौते हुए। प्रधान जिला न्यायाधीश विजय कुमार होता के नेतृत्व में वर्चुअल और भौतिक मोड में आयोजित लोक अदालत के लिए कुल 44 खंडपीठों का गठन किया गया था। इसमें प्री-लिटिगेशन के 2 लाख 63 हजार 133 और न्यायालयों में लंबित 3162 मामलों का निपटारा हुआ।

साथ रहने को हुए राजी : कुटुम्ब न्यायालय के न्यायाधीश उत्तरा कुमार कश्यप की खंडपीठ में दो दांपत्य विवाद सुलझे। पहले प्रकरण में पदमा टेकाम और संदीप टेकाम के बीच भरण-पोषण का मामला था। प्रताड़ना के बाद पृथक रह रही पत्नी ने भरण-पोषण मांगा था। राजीनामे के बाद दोनों साथ रहने को राजी हो गए। दूसरे मामले में रितेश गुप्ता और निकिता के बीच चल रहा दांपत्य विवाद भी आपसी समझौते से खत्म हुआ।

कर्ज से मिली मुक्ति : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार होता की खंडपीठ में बैंक ऑफ बड़ौदा का मामला सुलझा। खैरागढ़ के अनुज राम पर बैंक का 4 लाख 52 हजार 991 रुपये बकाया था। लोक अदालत में 2 लाख 17 हजार रुपये नकद भुगतान पर समझौता हुआ और मामला खत्म किया गया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से छूटा विचाराधीन बंदी : मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमिता जायसवाल की खंडपीठ में मोटरसाइकिल चोरी का मामला निपटा। प्रार्थी की पत्नी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ीं और राजीनामा दिया। राजीनामा होने पर विचाराधीन बंदी की रिहाई के आदेश जारी किए गए। लोक अदालत में आपराधिक राजीनामा योग्य मामले, मोटर दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, बैंक ऋण वसूली, नगर निगम कर, बिजली बिल और राजस्व मामलों की सुनवाई हुई।

घर-घर जाकर जनगणना के साथ सरकारी स्कूलों से जोड़ रहीं शिक्षिका पारुल चतुर्वेदी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जनगणना 2026-27 के पहले चरण में मकानों की सूचीकरण का काम 30 मई तक पूरा होना है। ग्राम टेडेसरा में सुपरवाइजर विकास वासनिक के नेतृत्व में छह प्रगणक घर-घर जाकर 34 सवालों के जवाब दर्ज कर रहे हैं। इसमें मुखिया का नाम, शौचालय, नल, बिजली, एलपीजी कनेक्शन, नालियों और वाहनों की जानकारी एप के जरिए डिजिटल फीड की जा रही है।

जनगणना बनी शिक्षा जागरूकता का जरिया

इसी बीच शिक्षिका पारुल चतुर्वेदी जनगणना को बच्चों को सरकारी स्कूल से जोड़ने का अवसर बना रही हैं। 2005 से अंग्रेजी की शिक्षिका के रूप में सेवा दे रहीं पारुल को 2017 में मुख्यमंत्री और 2023 में राज्यपाल पुरस्कार मिल चुका है। प्रगणक के रूप में ड्यूटी लगने पर वे गांव में घूम-घूम कर पालकों को सरकारी स्कूल की योजनाओं के फायदे बता रही हैं।

सरकारी स्कूल की खूबियां गिना रहीं

पारुल बता रही हैं कि सरकारी स्कूल में निशुल्क गणवेश, पाठ्य पुस्तक, मध्यान्ह भोजन, अच्छी पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और संगीत की शिक्षा दी जा रही है। ग्राम टेडेसरा के सरकारी स्कूल में व्यावसायिक शिक्षा के तहत संगीत की शिक्षा और परीक्षाएं भी दिलवाई जा रही हैं, ताकि बच्चे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। गांव के कई बच्चे प्राइवेट स्कूल जाते हैं। शिक्षिका पालकों को समझा रही हैं कि सरकारी योजनाओं से बच्चों को काफी लाभ मिल सकता है। ग्रामीण भी जनगणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

अटल आवास रोकने को लेकर दी धमकी, गिरफ्तार

राजनांदगांव। थाना गैंदाटोला पुलिस ने शांति भंग की आशंका में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट छुरिया के न्यायालय में पेश किया है। आरोपी ने रोजगार सहायक को अटल आवास रोकने के नाम पर धमकी दी थी।पुलिस के अनुसार, ग्राम कोलिहालमती निवासी 43 वर्षीय थनवार साहू ने गांव के रोजगार सहायक से अपने नाम से पास हुए अटल आवास को रोकने को लेकर वाद-विवाद किया और देख लेने की धमकी दी। रोजगार सहायक की शिकायत पर शांति भंग होने और संज्ञेय अपराध की आशंका को देखते हुए पुलिस ने थनवार साहू को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ धारा 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत इस्तगासा तैयार कर न्यायालय, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट छुरिया में पेश किया गया। पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मंजुलता बाज के पयर्वेक्षण में हुई इस कार्रवाई के बाद थाना पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल करेंगे कार्यकर्ताओं का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिला कांग्रेस कमेटी केसीजी द्वारा जिले के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के सम्मान में भव्य कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन गुरुवार 14 मई की दोपहर 12 बजे से छुईखदान के टिकरीपारा स्थित मंगल भवन में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भूपेश बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान क्षत्रिय विधायक यशोदा निलांबर वर्मा व डोंगरगढ़ विधायक हर्षिता बघेल भी मौजूद रहेंगी। समारोह में जिलेभर के ब्लॉक, मंडल, सेक्टर, बूथ, पंचायत और वार्ड स्तर के पदाधिकारियों का सम्मान किया जाएगा।

कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस संगठन ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री आकाश दीप सिंह (गोल्डी) का कहना है, कि बूथ स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ताओं को सम्मानित कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संदेश दिया जाएगा। समारोह में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, सरपंच, पार्षद सहित कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इस सम्मान समारोह में जिले के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से बडी संख्या में उपस्थित की अपील की गई है।

सोमनी पुलिस की छापेमारी : मनगटा रिसॉर्ट में शराब पीते 6 पकड़ाए शराब पिलाने की सुविधा देने पर कार्रवाई, ढाबा संचालक भी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना सोमनी पुलिस ने शनिवार रात मनगटा क्षेत्र में स्थित रिसॉर्ट पर अचानक छापेमारी कर सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों और ढाबा संचालक पर कार्रवाई की है। शराब पीकर वाहन चलाने वाले एक व्यक्ति पर भी केस दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत थाना प्रभारी अरुण कुमार नामदेव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 10 मई की रात ग्राम झूराडबरी के मेपल रिसॉर्ट के पास छापा मारा। आम जगह पर शराब पी रहे भिलाई निवासी 25 वर्षीय अभिषेक पाण्डे, डोंगरगढ़ निवासी 20 वर्षीय अंकुश कुमार और 4 युवतियों के खिलाफ 36(च) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। वाद-विवाद करने पर अभिषेक पाण्डे को धारा 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट राजनांदगांव में पेश किया गया।

इसी दौरान ग्राम देवादा स्थित वीरजी द ढाबा के संचालक 40 वर्षीय दलप्रीत सिंह को ढाबे में शराब सेवन की सुविधा उपलब्ध कराने पर धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत पकड़ा गया। उसे भी धारा 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। कार्रवाई के दौरान मोटरसाइकिल सीजी 24 वाय 4887 के चालक बालोद जिले के गोडेला निवासी 36 वर्षीय गुलाब चंद्राकर को शराब पीकर वाहन चलाने पर धारा 185 एमवी एक्ट के तहत पकड़ा गया। नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर किरो के पयर्वेक्षण में हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर नशाखोरी और अवैध शराब परोसने वालों पर अभियान जारी रहेगा।

राजनांदगांव के ऑक्सीजोन पर रेत माफियाओं का कब्जा, धरोहर उजाड़ने का लगाया आरोप

जनता बोली- 'सांस लेने की जगह पर भ्रष्टाचार की रेत', प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

संस्कारधानी को कुदरत से मिली अनमोल सौगात 'ऑक्सीजोन' अब रेत माफियाओं की भेंट चढ़ रहा है। शहरवासियों के सुकून और बच्चों के खेलने की इस जगह पर अवैध रेत खुदाई का खेल बेरोकटोक जारी है। सोशल मीडिया से लेकर प्रिंट मीडिया तक लगातार मुद्दा उठने के बावजूद कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है।

'रक्षक ही बन गए भक्षक'

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने जिस पिकनिक स्पॉट को उम्मीदों से संवारा था, आज वही रेत माफियाओं के हवाले है। लोगों का कहना है कि अवैध खुदाई बिना प्रशासनिक संरक्षण के मुमकिन नहीं। सबसे बड़ा सवाल सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं की चुप्पी पर है। सदन में एक-दूसरे पर बरसने वाले नेता इस मुद्दे पर खामोश हैं।

'चालान काटकर छोड़ देते हैं, फिर शुरू हो जाता है खेल'

पर्यावरण प्रेमियों ने बताया कि जन-आक्रोश बढ़ने पर औपचारिकता के लिए छोटा-मोटा चालान काट दिया जाता है। पेनल्टी भरने के बाद माफिया फिर खुदाई शुरू कर देते हैं। रेत की अंधाधुंध खुदाई से ऑक्सीजोन का प्राकृतिक सौंदर्य खत्म हो रहा है और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

'वोट देकर सो गई जनता, जाग गया भ्रष्टाचार'

नागरिकों का कहना है कि जनता 5 साल के लिए वोट देकर खामोश हो जाती है और इसी खामोशी का फायदा उठाकर भ्रष्टाचार पनपता है। राजनांदगांव की कई ऐतिहासिक धरोहरें पहले ही देखरेख के अभाव में खत्म हो चुकी हैं। अगर यही हाल रहा तो ऑक्सीजोन भी सिर्फ इतिहास बनकर रह जाएगा।

मांग : संरक्षण और जवाबदेही तय हो

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऑक्सीजोन को रेत माफियाओं से मुक्त कराने और दोषी अधिकारियों-नेताओं की जवाबदेही तय करने की मांग की है। उनका कहना है कि यह सिर्फ पिकनिक स्पॉट नहीं, जनता के भरोसे का सवाल है। अब खामोशी तोड़ने का वक्त है, वरना 'ऑक्सीजोन' का वजूद मिट जाएगा।

परिजनों से झगड़ा करने पर बेटा गिरफ्तार, जेल भेजा गया, सुरगी पुलिस की कार्रवाई

राजनांदगांव। पुलिस चौकी सुरगी ने कानून-शांति भंग करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी रोज परिवार से विवाद करता था। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। ग्राम बुचीभरदा निवासी बुजुर्ग प्रकाश साहू ने चौकी में लिखित शिकायत दी थी कि उसका बेटा रामेश्वर साहू रोज घर में वाद-विवाद और झगड़ा करता है। घटना वाले दिन भी आरोपी ने घर में विवाद कर शांति भंग की।

शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पाया गया कि रामेश्वर साहू लगातार परिजनों से झगड़ रहा है, जिससे शांति व्यवस्था भंग होने और अपराध घटित होने की आशंका थी। पुलिस ने 40 वर्षीय रामेश्वर साहू को धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ धारा 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत इस्तगाशा तैयार कर कायर्पालिक मजिस्ट्रेट, राजनांदगांव के समक्ष पेश किया गया। कोर्ट से जेल वारंट जारी होने पर आरोपी को जिला जेल दाखिल कराया गया। नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पयर्वेक्षण में हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने कहा कि शांति व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों पर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

850 करोड़ का बजट, फिर भी भिलाई में पानी के लिए हाहाकार : 'आप' ने किया निगम का घेराव

आयुक्त को सौंपा केमिकल युक्त पानी का सैंपल, अमृत-जल जीवन मिशन पर उठाए सवाल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

850 करोड़ के बजट के बावजूद शुद्ध पेयजल न मिलने से नाराज आम आदमी पार्टी ने रविवार को नगर निगम भिलाई का घेराव किया। जिला कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में 'आप' नेताओं ने आरोप लगाया कि बजट का जश्न मनाने में व्यस्त कांग्रेस-भाजपा पाषर्दो को जनता की प्यास नहीं दिख रही।

'बजट का जश्न, जनता प्यासी'

प्रदेश महासचिव वदूद आलम, महिला सचिव के. ज्योति, भिलाई नगर चुनाव प्रभारी डॉ. एस.के. अग्रवाल और पूर्व आरटीआई प्रदेश अध्यक्ष मेहरबान सिंह ने कहा कि निगम ने 850 करोड़ का बजट पास किया है, लेकिन भिलाई की जनता आज भी शिवनाथ नदी के शुद्ध पानी को तरस रही है।

अमृत-जल जीवन मिशन फेल, खुर्सीपार में केमिकल युक्त पानी

'आप' ने आरोप लगाया कि अमृत जल मिशन, जल जीवन मिशन और भागीरथी योजना में अरबों खर्च के बाद भी धरातल पर स्थिति शून्य है। खम्हरिया वार्ड 01 से कई क्षेत्रों में लोग बोर पर निर्भर हैं। खुर्सीपार वार्ड 46 और गौतम नगर में लोग वर्षो से केमिकल युक्त पानी पी रहे हैं, जिससे पीलिया फैल रहा है। हुडको में पाइपलाइन बिछाकर छोड़ दी गई, पर सप्लाई शुरू नहीं हुई। निवासी आज भी बीएसपी के भरोसे हैं।

वाटर एटीएम बने भ्रष्टाचार का अड्डा

पदाधिकारियों ने कहा कि निगम ने जिम्मेदारी से बचने के लिए लाखों के वाटर एटीएम लगवाए, लेकिन अधिकतर बंद पड़े हैं। ये सिर्फ भ्रष्टाचार का जरिया बने हैं।

आयुक्त को सौंपा गंदा पानी

घेराव के दौरान वार्ड 51 शिवाजी नगर और वार्ड 35 की महिलाएं व निवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अंत में 'आप' नेताओं ने आयुक्त को जनता द्वारा पिया जा रहा केमिकल युक्त गंदा पानी सैंपल के रूप में सौंपा। चेतावनी दी कि जल्द शिवनाथ का शुद्ध जल हर घर तक नहीं पहुंचा तो आंदोलन उग्र होगा। प्रदर्शन में बलविंदर, धर्मेंद्र चौधरी, रामपाल, सहप्रभारी रऊफ अंसारी, शिव शेट्टी, पंकज चौधरी, मनीष मिश्रा, सोनू यादव, विजय अग्रवाल समेत कई कार्यकर्ता और महिलाएं शामिल रहीं।

मातृ दिवस पर विधायक रिकेश की संवेदनशील पहल

वैशाली नगर विधानसभा में साढ़े 3 करोड़ की लागत से बनेगा सवर्सुविधायुक्त वृद्ध आश्रम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मातृ दिवस के अवसर पर वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन ने समाज के बेसहारा और उपेक्षित बुजुर्गो के लिए एक बेहद संवेदनशील पहल की घोषणा की है। विधायक सेन ने वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में लगभग साढ़े 3 करोड़ रुपये की लागत से सवर्सुविधायुक्त वृद्ध आश्रम निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि मां सिर्फ एक दिन की नहीं, बल्कि पूरे जीवन की भावना होती है। जिस मां से हर दिन की शुरुआत होती है, उसे किसी एक दिन तक सीमित नहीं किया जा सकता।

सोशल मीडिया में छाया है मां के प्रति प्रेम

विधायक रिकेश ने कहा कि सोशल मीडिया पर हर कोई अपनी मां के प्रति प्रेम व्यक्त कर रहा है, लेकिन समाज की सच्चाई यह भी है कि कई माताएं और बुजुर्ग आज वृद्धाश्रमों में जीवन बिताने को मजबूर हैं। यदि हर व्यक्ति अपनी मां से सच्चा प्रेम करता, तो शायद कोई मां वृद्धाश्रम में दिखाई नहीं देती।

कलेक्टर से मिली स्वीकृति

विधायक सेन ने घोषणा की कि शांति नगर स्थित वैशाली नगर थाना के समीप मैदान में एक आधुनिक और सवर्सुविधायुक्त वृद्ध आश्रम का निर्माण किया जाएगा, जिसके लिए कलेक्टर से स्वीकृति भी प्राप्त हो चुकी है। यह आश्रम उन बुजुर्ग माताओं-पिताओं के लिए समर्पित होगा, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है या जिनके अपने ही उनसे दूर हो गए हैं। जो लोग अपने माता-पिता की सेवा नहीं करना चाहते, उनके लिए उनका बेटा और विधायक रिकेश सेन हमेशा खड़ा रहेगा। इस वृद्ध आश्रम में बुजुर्गो को सम्मान, सुरक्षा, भोजन, स्वास्थ्य सुविधा और अपनापन मिलेगा। विधायक की इस घोषणा को क्षेत्रवासियों और सामाजिक संगठनों ने एक मानवीय और प्रेरणादायी पहल बताया है।

डोंगरगढ़ में नगरपालिका पर पक्षपात का आरोप : गरीब की झोपड़ी तोड़ी, परिवार न्याय के लिए दर-दर भटक रहा

पीड़ित प्रकाश यादव बोले- 'बाकी बसे लोगों को छोड़ सिर्फ मेरी झोपड़ी पर चला बुलडोजर'

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

डोंगरगढ़ के वार्ड क्रमांक 08 बढ़ियाटोला में नगरपालिका की कार्रवाई ने "सुशासन" के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। गरीब परिवार के प्रकाश यादव ने जिला प्रशासन को आवेदन देकर नगरपालिका अधिकारियों पर गलत जानकारी देने और पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया है।

10 साल से बसे, पर टूटी सिर्फ एक, मेरी झोपड़ी

प्रकाश यादव का कहना है कि वह पिछले 10 साल से शासकीय भूमि पर झोपड़ी बनाकर परिवार के साथ रह रहा था। उसी क्षेत्र में कई अन्य परिवार भी बसे हैं। आरोप है कि नोटिस कई लोगों को दिए गए, लेकिन झोपड़ी सिर्फ उसकी तोड़ी गई। जिस जगह झोपड़ी थी, वहां अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की तैयारी है। आवेदक का कहना है कि क्षेत्र में जलभराव और नाले की समस्या के बावजूद निर्माण जारी है।

'गरीबी अपराध बन गई है क्या?'

आवेदन में प्रकाश ने बताया कि अंतरजातीय विवाह के कारण उसके माता-पिता को परिवार और संपत्ति से बेदखल कर दिया गया था। वह वर्षो से किराए के मकान में रह रहा है। आरोप है कि नगरपालिका अधिकारी ने जिला प्रशासन को बताया कि उसके पुत्र आदित्य यादव को पीएम आवास योजना का लाभ मिल चुका है। जबकि पुत्र अलग रहकर मजदूरी कर बैंक ऋण से जमीन खरीदकर मकान बना चुका है। प्रकाश ने सवाल उठाया कि क्या एक सदस्य को लाभ मिलने पर पूरे परिवार को आवास के अधिकार से वंचित किया जा सकता है?

दैनिक वेतनभोगी पर प्रभाव के दुरुपयोग का आरोप

शिकायत में नगरपालिका के एक दैनिक वेतनभोगी कमर्चारी पर प्रभाव के दुरुपयोग का आरोप है। कहा गया कि उसी के दबाव में झोपड़ी तोड़ी गई और अब शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। आवेदन में दावा किया गया कि मामूली वेतन वाला कमर्चारी लाखों की संपत्ति का मालिक बन गया है। इसकी जांच की मांग की गई है।

'न्याय नहीं मिला तो जाऊंगा कोर्ट'

प्रकाश यादव ने कहा कि वह जमीन और आवास की मांग को लेकर कार्यालयों के चक्कर काटकर मानसिक-आर्थिक रूप से टूट चुका है। आवेदन में लिखा है कि न्याय नहीं मिला तो अदालत जाना पड़ेगा।

सुशासन पर सवाल

प्रदेश में गरीबों-भूमिहीनों के लिए तमाम योजनाओं के दावे हैं, लेकिन इस मामले ने प्रशासनिक संवेदनशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। अब नजरें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन पर हैं कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलता है या नहीं।

घुमका नगर पंचायत के 15 वार्डो समेत पंचायतों के 27 पदों पर होगा चुनाव

नगरीय निकाय और पंचायत उपचुनाव का कार्यक्रम जारी, 1 जून को मतदान

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन मई 2026 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पूर्वान्ह 10.30 बजे निर्वाचन की सूचना और आरक्षण का प्रकाशन कर दिया।

नगरीय निकाय के लिए जरूरत पड़ने पर 1 जून को सुबह 8 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। मतगणना और परिणाम की घोषणा 4 जून को सुबह 9 बजे से होगी। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन में 1 जून को सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा। मतदान के बाद केंद्र पर ही मतगणना होगी। खंड मुख्यालय पर मतगणना 2 जून को सुबह 9 बजे से होगी। पंच, सरपंच और जनपद सदस्य के परिणाम 4 जून को घोषित किए जाएंगे।

नामांकन की तारीखें

नाम निर्देशन पत्र 18 मई अपरान्ह 3 बजे तक जमा होंगे। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 19 मई को पूर्वान्ह 10.30 बजे से होगी। नाम वापसी की आखिरी तारीख 21 मई अपरान्ह 3 बजे तक है। इसके बाद चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे।

कहां-कहां होगा चुनाव

नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के तहत जिले में नगर पंचायत घुमका के 15 वार्डो में पार्षद पद के लिए चुनाव होगा। त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन में जनपद पंचायत सदस्य का 1 पद, सरपंच का 1 पद और पंच के 25 पद समेत कुल 27 रिक्त पदों पर मतदान कराया जाएगा।

कलेक्टोरेट सभाकक्ष में डीएलसीसी-डीसीसी की बैठक कल

राजनांदगांव। 188वीं जिला स्तरीय समन्वय समिति (डीएलसीसी) एवं जिला परामशर्दात्री समिति (डीसीसी) की बैठक 12 मई सोमवार को अपरान्ह 4 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में होगी। प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिले में बैंकिंग सेवाओं, ऋण वितरण और सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

आत्मानंद स्कूलों में प्रवेश के लिए 13 से 15 मई तक लॉटरी

राजनांदगांव। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश हेतु अधिक आवेदन मिलने के कारण 13 मई से 15 मई तक लॉटरी के माध्यम से सीट आबंटन किया जाएगा। जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार 13 मई को सर्वेश्वर दास नगर पालिक निगम उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव, पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय राजनांदगांव, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सुकुलदैहान, डोंगरगांव, घुमका, लाल बहादुर नगर और भर्रेगांव में लॉटरी निकाली जाएगी। 14 मई को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय छुरिया तथा 15 मई को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय डोंगरगढ़ में प्रवेश के लिए लॉटरी की प्रक्रिया होगी। शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से निर्धारित तिथि पर संबंधित विद्यालयों में उपस्थित रहने की अपील की है। जिन स्कूलों में सीट से ज्यादा आवेदन आए हैं, केवल उन्हीं में लॉटरी से प्रवेश दिया जाएगा।

डोंगरगांव में 30 पौवा देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

राजनांदगांव। थाना डोंगरगांव पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को 30 पौवा देशी प्लेन शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी से 5.400 बल्क लीटर शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत 2400 रुपये आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने अभियान चलाया जा रहा है। एएसपी कीर्तन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार व निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। गांव मोहड निवासी 52 वर्षीय रूपचंद पारधी को चिन्हांकित कर पूछताछ की गई। उसके पास रखी सफेद प्लास्टिक बोरी की तलाशी लेने पर 30 पौवा देशी प्लेन शराब 'सवा सेरा' बरामद हुई। आरोपी रूपचंद पारधी के खिलाफ थाना डोंगरगांव में अपराध क्रमांक 173/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि अवैध शराब पर रेड कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इस कार्रवाई में प्रशिक्षु आईपीएस आदित्य कुमार, थाना प्रभारी आशीर्वाद राहटगांवकर, सउनि देवकुमार रावटे और आरक्षक गुलशन कंवर की अहम भूमिका रही।

'सुशासन नहीं, सिर्फ प्रचार का तिहार' : कांग्रेस नेता मनराखन का भाजपा सरकार पर हमला

बोले - सड़क, पानी, बिजली के लिए भटक रही जनता; शिकायतें कागजों में निपट रहीं

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

प्रदेश सरकार के सुशासन तिहार को कांग्रेस ने दिखावटी अभियान बताते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने कहा कि सरकार जमीन पर काम करने के बजाय सिर्फ प्रचार में जुटी है। मनराखन ने कहा कि यदि प्रदेश में वास्तव में सुशासन होता तो लोगों को सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़ता। जिले के कई गांव आज भी बदहाल सड़कों, पेयजल संकट और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार केवल कार्यक्रमों में व्यस्त है।

'शिकायतें कागजों में निपट रहीं'

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सुशासन तिहार के नाम पर अधिकारी-कमर्चारियों पर दबाव बनाकर औपचारिकता निभाई जा रही है। शिकायतों का स्थायी समाधान करने के बजाय उन्हें कागजों में निपटाया जा रहा है।

नए जिले में भी हालात जस के तस

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की स्थिति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि नया जिला बनने के बाद विकास की उम्मीद थी, लेकिन कई विभाग संसाधनों और कमर्चारियों की कमी से जूझ रहे हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र बदहाल हैं, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा और किसान उपज के उचित दाम के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

अपराध और शराब पर भी घेरा

मनराखन ने जिले में बढ़ते अपराध और अवैध शराब के कारोबार पर सरकार को घेरा। कहा कि गली-गली शराब बिक रही है, गांव-गांव दुकानें खुल रही हैं, लेकिन शिक्षा व्यवस्था पर ध्यान नहीं है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है और अब सुशासन तिहार से छवि सुधारने की कोशिश कर रही है। मांग की कि सरकार पहले जिले की वास्तविक समस्याओं का समाधान करे, फिर सुशासन की बात करे।

'जमीन पर दिखे समाधान'

मनराखन ने कहा कि बीते वर्षो में लोगों ने बड़ी उम्मीद से मांगें-शिकायतें पहुंचाई, मगर कई मामले अधूरे हैं। आवेदन लेने के बाद सिर्फ कागजी कार्रवाई हो रही है। सड़क, पानी, बिजली, राजस्व और आवास जैसी बुनियादी मांगों को लेकर लोग आज भी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। यदि समयबद्ध निराकरण नहीं हुआ तो ऐसे आयोजन औपचारिकता बनकर रह जाएंगे। जनता अब कागजी नहीं, जमीन पर दिखने वाला समाधान चाहती है।

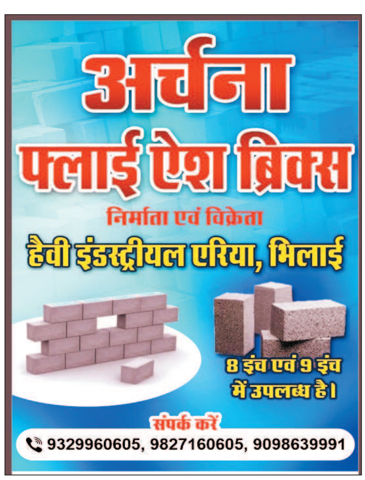

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100